



@Qpatrika



@qaumipatrika  
hindi



instagram.com/  
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 12 मार्च 2025

# कौमी पत्रिका

## राष्ट्रीय दैनिक अखबार

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 18 अंक 122 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई टिकट 50 पैसे अतिरिक्त)

VISIT:  
www.qaumipatrika.in  
Email: qpatrika@gmail.com

### खरगे के एक शब्द पर संसद में तनातनी

नई दिल्ली, 11 मार्च। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान मंगलवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपसभापति हरिवंश को कुछ ऐसा कह दिया, जिसे लेकर जमकर हंगामा हुआ। इसके लिए भाजपा ने उन पर जमकर निशाना साधा और माफी की मांग की। मामला बढ़ता देख मल्लिकार्जुन खरगे ने माफी भी मांग ली। उन्होंने हाथ जोड़कर सफाई दी। उन्होंने आसन को संबोधित करते हुए कहा कि आपको नहीं, सरकार को ठोकेंगे। हम सरकार की बात कर रहे थे। दरअसल, राज्यसभा की कार्यवाही चल रही थी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष कुछ बोलना चाह रहे थे। तभी उपसभापति ने उन्हें रोका। उपसभापति ने उनको जगह कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह को बोलने को कहा। इस बीच मल्लिकार्जुन खरगे अपनी सीट से उठे और बोलना शुरू कर दिया। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने तानाशाही का आरोप लगा दिया। उन्होंने सीधे आसन की ओर इशारा करते हुए कहा कि तानाशाही चल रही है। मैं बोलना चाहता हूँ। इसकी तैयारी भी की है और आपको क्या-क्या ठोकना है, ठीक से ठोकना। इस पर उपसभापति ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आप सत्ता पक्ष से बहस करिए। इस बीच हंगामा शुरू हो गया। इस बीच खरगे ने यूटन लेते हुए कहा कि सरकार को ठोकेंगे। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने खरगे के बयान को सदन का अपमान करार दिया। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने मामले में खरगे को खूब खरीखोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि बहुत ही दुख की बात है कि विपक्ष के नेता ने ऐसी भाषा इस्तेमाल की। ऐसे शब्दों का इस्तेमाल आसन के लिए किया। वह अनुभवी हैं और लंबे समय तक संसदीय सदस्य के रूप में काम किया। उन्होंने राज्य में भी काम किया है और राष्ट्रीय राजनीति में भी काम किया है। उन्होंने जिस भाषा का उपयोग किया है, वह सदन का अपमान है, आसन का अपमान है। यह निंदनीय है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। आसन के लिए इस्तेमाल शब्द माफी योग्य नहीं है। यह अस्वीकार्य है। फिर भी कांग्रेस नेता को माफी मांगनी चाहिए। अपने शब्दों को वापस लेना चाहिए। इसे कार्यवाही से हटा देना चाहिए।

## नौकरशाहों को जमीनी लोकतंत्र को विफल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती: सुप्रीम कोर्ट

### सिम्ली कौर बख्तर

नई दिल्ली, 11 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि नौकरशाहों को जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को विफल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने महाराष्ट्र के एक गांव में एक महिला को सरपंच के रूप में बहाल करने के बांबे हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। जस्टिस सुर्यकांत और एन कोटिशर सिंह को पीठ ने कहा कि राज्य में कई मामलों में यह सामने आया है कि जहां अफसरों ने पंचायत में चुने गए प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार किया है। उन्होंने कहा कि हमने दो-तीन ऐसे मामलों में फैसले सुनाए हैं, जहां बाबू ने निर्वाचित जनप्रतिनिधि के साथ अंधधुंध व्यवहार किया। ऐसी घटनाएं अक्सर महाराष्ट्र में होती हैं। ये बाबू निर्वाचित जनप्रतिनिधि के अधीन होना चाहिए। इन नौकरशाहों को जमीनी लोकतंत्र को विफल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। न्यायमूर्ति सुर्यकांत ने अर्चना सचिन भोसले के वकील से कहा कि नौकरशाह पुराने मामलों को खोलने की कोशिश करते हैं जैसे कि आपके दादा ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया है और इसलिए आप

अयोग्य हैं। पीठ ने सात मार्च के अपने आदेश में कहा कि हम उच्च न्यायालय के दृष्टिकोण से सहमत हैं। हम कोकोले को ग्राम पंचायत, एंघार तालुका-रोहा, जिला रायगढ़ के विधिवत निर्वाचित प्रधान मानते हैं। अर्चना का सरपंच के रूप में चुनाव 29 जनवरी को उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने कलावती राजेंद्र कोकोले को सरपंच के रूप में बहाल करते हुए रायगढ़ जिले के कलेक्टर के 7 जून 2024 के आदेश को रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। कलावती राजेंद्र कोकोले के खिलाफ सात जून 2024 को रायगढ़ कलेक्टर ने आदेश जारी किया था। इसमें महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम की धारा 29 के तहत सरपंच के पद से उनके इस्तीफे की पुष्टि की गई थी, जबकि उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया था। मामले में हाईकोर्ट ने कहा था कि कोकोले का इस्तीफा प्रभावी नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने 15 मार्च, 2024 को आयोजित एक बैठक के दौरान इसे वापस ले लिया

था। कलेक्टर ने गलत तरीके से यह निष्कर्ष निकाला है कि सरपंच का पद खाली हो गया है, जबकि उन्होंने माना गया। चूंकि कोकोले ने सरपंच का पद खाली नहीं किया है, इसलिए उस पद पर भोसले के चुनाव का कोई सवाल ही नहीं है। न्यायालय ने कहा कि ग्राम पंचायत अधिनियम की धारा 29 में त्यागपत्र वापस लेने के लिए कोई विशिष्ट प्रावधान नहीं है, फिर भी किसी सदस्य को त्यागपत्र वापस लेने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। उप सरपंच या त्यागपत्र देने वाले सरपंच को उसे वापस लेने का अंतर्निहित अधिकार था। फरवरी 2021 में एंघार ग्राम पंचायत के लिए चुनाव हुए और कोकोले को सरपंच चुना गया। कुछ समय बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। मगर 15 मार्च को उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया। कोकोले ने अपना इस्तीफा वापस लेने की सूचना ब्लाक विकास अधिकारी और तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारियों को दी थी। इसके बाद रायगढ़ जिला कलेक्टर ने 7 जून 2024 को कहा कि कोकोले का इस्तीफा रोहा पंचायत समिति के अध्यक्ष द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।



इस बात पर विचार नहीं किया कि इस्तीफा पहले ही वापस ले लिया गया था। इसलिए हाईकोर्ट ने कलेक्टर के आदेश को अद्वैत मानकर रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि इसलिए अर्चना भोसले का चुनाव अमान्य

### गोवा और गुजरात के विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी: अतिशी

#### कौमी संवाददाता

पणजी, 11 मार्च। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री अतिशी ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी 2027 में गोवा और गुजरात के विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ किसी तरह के गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं है। अतिशी तटीय राज्य के एक दिवसीय दौर पर थीं, जहां उन्होंने माराओ में पार्टी कायम का उद्घाटन किया। अतिशी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम गोवा और गुजरात के विधानसभा चुनावों के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। अभी तक गठबंधन की कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि 2022 में गोवा के लोग भाजपा को सत्ता में लाए। लेकिन कांग्रेस ने 11 सीटें जीतीं और उनमें से आठ विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस के पास केवल तीन विधायक हैं, जबकि आम आदमी पार्टी के पास दो विधायक हैं। आप



नेता ने कहा कि जब 2022 में उनकी पार्टी के दो उम्मीदवार जीते थे, तो अफवाहें थीं कि वे दो महाने भी पार्टी में नहीं टिक पाएंगे, लेकिन वे अभी भी पार्टी में हैं, क्योंकि वे राजनीति से पैसा बनाने नहीं आए हैं। कांग्रेस से गठबंधन के सवाल पर अतिशी ने कहा, जब 11 में से आठ विधायक भाजपा में शामिल हो गए, तो समान विचारधारा वाले दल का क्या मतलब है? आम आदमी पार्टी ने यह दिखाया कि हमारे दो विधायक जीते और अब भी पार्टी के साथ हैं। भाजपा ने हमारे विधायकों को लुभाने की कोशिश की थी।

### महिला आयोग के सामने पेश हुए आशीष चंचलानी

मुंबई, 11 मार्च। यूट्यूबर आशीष चंचलानी आज मंगलवार को कॉमिडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट टैलेंट में की गई अपमानजनक टिप्पणियों के संबंध में पुछताछ के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुए। इंडियाज गॉट टैलेंट शो में की गई अपमानजनक और अश्लील टिप्पणियों के संदर्भ में महिला आयोग ने रणवीर अल्लाहबादिया, अपूर्व मुखोजा, समय रैना, जसप्रीत सिंह और चंचलानी को तलब किया था। न्यू एजेंसी पीटीआई के मुताबिक आशीष चंचलानी आज मंगलवार को महिला आयोग के सामने पेश हुए। एक अधिकारी के मुताबिक, आयोग ने शो में की गई अपमानजनक टिप्पणियों को भी गंभीरता से लिया था। रणवीर अल्लाहबादिया, अपूर्व मुखोजा, समय रैना, जसप्रीत सिंह और चंचलानी के अलावा तुषार पुजारी और सौरभ बोधरा को भी तलब किया था। आयोग की तरफ से आशीष चंचलानी को 17 फरवरी को बुलाया गया था। लेकिन उन्होंने खराब सेहत का हवाला देते हुए तारीख में बदलाव की मांग की थी।

### मणिपुर में राष्ट्रपति शासन पर एक घंटे होगी चर्चा

नई दिल्ली, 11 मार्च। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा को मंजूरी देने के वैधानिक प्रस्ताव पर लोकसभा में एक घंटे तक चर्चा होगी। अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में सोमवार को हुई लोकसभा की कार्यमंत्रणा समिति (बीएस) की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बीएस ने 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूर्क मांगों के दूसरे बैच, 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों और मणिपुर के लिए बजटिय प्रक्रिया को पूरा करने पर चर्चा के लिए छह घंटे आवंटित करने का भी निर्णय लिया है। इन विषयों पर एकसाथ चर्चा की जाएगी। रेलवे पर चर्चा के लिए 10 घंटे तथा जल शक्ति, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालयों की अनुदान मांगों पर बहस के लिए एक-एक दिन का समय तय किया गया है। वित्त विधेयक पर आठ घंटे चर्चा होगी। समिति ने अध्यक्ष को अनुदान मांगों पर चर्चा और मतदान के लिए आवास एवं शहरी मामलों, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, विदेश मामलों तथा रक्षा से संबंधित दो और मंत्रालयों का चयन करने के लिए अधिकृत किया है। यूरोपीय संसदीय समिति के कारण 13 मार्च की कार्यवाही रद्द करने का भी फैसला किया। इसकी भरपाई के लिए लोकसभा की बैठक शनिवार, 29 मार्च को हो सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हिंसा प्रभावित मणिपुर के लिए लोकसभा में बजट पेश किया। इसमें 35,103.90 करोड़ रुपये के व्यय का अनुमान लगाया गया है। चालू वित्त वर्ष में राज्य के लिए बजटिय आवंटन 32,656.81 करोड़ रुपये था। राज्य में अभी राष्ट्रपति शासन लागू है।

## नीतीश को बताया मानसिक-शारीरिक रूप से कमजोर: पशुपति पारस

### सौरभ शर्मा

भोजपुर, 11 मार्च। रालोजपा प्रमुख पशुपति पारस ने नीतीश सरकार को विफल बताते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में राज्य में एक भी कल-कारखाना नहीं लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में बेरोजगारी चरम पर है, भ्रष्टाचार, लूट, बलात्कार और अपराध की घटनाएं आम हो गई हैं। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बिहार की राजनीति में बड़ा बयान देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कार्यकाल पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अब मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हो चुके हैं और बिहार को एक एक युवा नेतृत्व की जरूरत है। भोजपुर जिले के बिहिया प्रखंड के भडसर गांव में स्वतंत्रता सेनानी बाबू चंद्रिका सिंह यादव की 30वीं पुण्यतिथि समारोह में शामिल होने पहुंचे पशुपति पारस ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि रालोजपा 243 विधानसभा सीटों पर दौड़ा कर रही है और एक इंटरनल एवं भी करणिया जा रहा है, ताकि चुनावी रणनीति को बेहतर तरीके से तय

किया जा सके। पशुपति पारस ने नीतीश सरकार को विफल बताते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में राज्य में एक भी कल-कारखाना नहीं लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में बेरोजगारी चरम पर है,



भ्रष्टाचार, लूट, बलात्कार और अपराध की घटनाएं आम हो गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अब प्रदेश की समस्याओं को संभालने की स्थिति में नहीं हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले नालंदा में एक

महिला के पैरों में कीलें ठोक दी गईं, लेकिन सरकार के किसी बड़े मंत्री या अधिकारी ने उसकी सुधि नहीं ली। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य में प्रशासनिक विफलता का बड़ा प्रमाण है। पशुपति पारस ने बताया कि 14 अप्रैल को पटना के बापू सभाभार में रालोजपा की एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी। इसके बाद पार्टी की एक बैठक होगी, जिसमें आगे की राजनीतिक दिशा तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में जो निर्णय लिया जाएगा, उसे हम जनता और मीडिया के सामने स्पष्ट रूप से रखेंगे। बिहार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कैंप करने की योजना पर प्रतिक्रिया देते हुए पारस ने कटाक्ष किया- कितना कैच करेंगे? उन्होंने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और यह बदलाव आने वाला है। पारस ने कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रिका सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को भूलना नहीं चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है।

## जेपी नड्डा पर आरोप लगाना कांग्रेस की विकास विरोधी मानसिकता का परिचायक: जयराम ठाकुर

### तेजिन्दर कौर बख्तर

शिमला, 11 मार्च। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लिए केंद्र सरकार भरपूर सहयोग दे रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा जितनी बार हिमाचल प्रदेश आते हैं उतनी बार वह प्रदेश के लिए सैकड़ों करोड़ की सीमागत लेकर आते हैं। उनके प्रयासों के कारण ही आज हिमाचल प्रदेश में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस एम्स जैसा संस्थान है। जहां पर अत्यधिक सुविधाएं लोगों को मिल रही हैं। लेकिन कांग्रेस की विकास विरोधी सोच के नेता आज एम्स पर भी सवाल उठा रहे हैं। जब कांग्रेस के नेताओं को भ्रष्टाचार की इजाजत नहीं मिली तो वह भ्रष्टाचार का शोर मचा रहे हैं। यह कांग्रेस की विकास विरोधी सोच का परिचायक है। जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लिए एम्स जैसे संस्थान की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के प्रयासों की बदौलत आज एम्स में हर सुविधा मिल रही है। इस बार के दौर में ही एम्स को 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की सीमागत मिल चुकी है जिसमें प्रदेश का इकलौता पेट स्कैन

और स्पेक्ट्रम सीटी जैसी सुविधा और लेवल 3 वायरल डायग्नोसिस रिसर्च लेबोरेटरी, अमृत फार्मसी के साथैसाथ 250 बेड का विश्राम घर भी शामिल हैं। ऐसा पहली बार



नहीं हुआ है। जितनी बार भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा हुआ है, उतनी बार प्रदेश और एम्स को सैकड़ों करोड़ की सीमागत मिलती है। इसके बाद भी कांग्रेस द्वारा इस तरह की बातों को जा रही है। यह सब इसलिए हो रहा है कि कुछ

भ्रष्टाचारी लोगों को एम्स में भ्रष्टाचार करने का मौका नहीं मिला। जयराम ठाकुर ने कहा कि आपदा के समय नड्डा ने पांच बार हिमाचल का दौरा किया और 1786 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रदेश के लिए स्वीकृत करवाई। इस बार के दौर में एम्स बिलासपुर में लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से एक सराय के निर्माण का भी भूमि पूजन किया। जहां मरीजों के तीमारदारों और अभिभावकों को ठहरने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक वायरोलॉजी लैब की आधारशिला भी नड्डा ने रखी। जिससे प्रदेश में संक्रामक रोगों की जांच व अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी। चंबा, हमीरपुर और नाहन में मेडिकल कॉलेज खोलने और ग्रंथक के लिए 265-265 करोड़ रुपये की स्वीकृति दिलाने में नड्डा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके अलावा, हिमाचल के कई हिस्सों में मातृ-शिशु स्वास्थ्य संस्थान खोलने के लिए करोड़ों रुपये की राशि स्वीकृत करवाई गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा प्रदेश में वन, चिट्ठा और स्कूप माफिया ने कहर मचाया है। प्रदेश में खैर काटो जंगल काटो अभियान चल रहा है, सवाल यह है कि किसके संरक्षण में इस प्रकार का माफिया चल रहा है।

### लोकसभा में पेश हुआ अप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक

नई दिल्ली, 11 मार्च। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में आप्रवासन और विदेशी नागरिकों के भारत में आने से संबंधित प्रावधान वाला विधेयक पेश किया। विषय के कुछ सदस्यों के विरोध के बीच गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने अप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक, 2025 पेश किया गया। वहीं कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने नियमों का हवाला देते हुए विधेयक को पेश किए जाने का विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह विधेयक कई मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को वापस लिया जाए या फिर्त संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा जाए ताकि इस पर गहन विचार-विमर्श किया जा सके। इसके साथ ही तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौरभ राय ने भी नियमों का हवाला देते हुए विधेयक को प्रस्तुत किए जाने का विरोध किया। इस पर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि विधेयक को और से विधायी क्षमता पर सवाल उठाया गया है, लेकिन यह विधेयक सदन की क्षमता के अंतर्गत लाया गया है। उन्होंने कहा कि यह विषय संविधान की सातवीं अनुसूची में आता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसी भी विदेशी के प्रवेश या प्रस्थान का आदेश देना सरकार का संघर्ष अधिकार है।

## लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी ट्रेन हाईजैक किया

### नरेश मल्होत्रा

करांची, 11 मार्च। पाकिस्तान में एक पूरी ट्रेन हाईजैक होने की खबर सामने आई है। बताया गया है कि बलूचिस्तान की राजधानी क्रेटा से करीब 100 किलोमीटर दूर बोलन स्टेशन पर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के उग्रवादियों ने ट्रेन को बंदूक के दम पर अगवा कर लिया। ट्रेन में सैकड़ों यात्रियों की मौजूदगी की बात कही गई है। बीएलए ने इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के छह जवानों को मार गिराने की बात भी कही है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) क्या है? इस संगठन का क्या इतिहास रहा है? इसका नेतृत्व कौन कर रहा है? इसके अलावा बीएलए के लड़ाकों की विचारधारा क्या है और यह संगठन बीते दिनों में किस तरह पाकिस्तान और चीन को निशाना बना रहा है? आइये जानते हैं... बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को स्थापना साल 2000 में हुई थी। गठन के बाद से अब तक बीएलए ने अब तक पाकिस्तान में कई हमलों को अंजाम दिया है। बीएलए का गठन बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग स्वायत्त क्षेत्र या अलग देश बनाने के लिए किया गया। इसमें फिलहाल 6000 बलूच लड़ाके जुड़े हैं। करीब सात दशकों से पाकिस्तान में स्वायत्त बलूचिस्तान को

लेकर संघर्ष चल रहा है। इस दौरान क्षेत्र में कई बलूच संगठन उभरे हैं। हालांकि, बीएलए सबसे मजबूत और लंबे समय तक अस्तित्व में है। बीएलए में ऐसे कई लड़ाके शामिल हैं, जो कि हथियार चलाने और पारंपरिक संघर्ष में भी माहिर हैं। इस संगठन को बलूचिस्तान में रहने वाले बुगती, मंगल और मरी समुदाय के साथ-साथ अन्य समुदायों का भी समर्थन प्राप्त है। बताया जाता है कि पाकिस्तान से अलग बलूचिस्तान के लिए आंदोलन सोवियत संघ और कट्टरपंथी मार्क्सवादी विचारधारा से प्रेरित है। इतना ही नहीं बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ रहे कई लड़ाकों की ट्रेनिंग भी मॉस्को में हुई है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी क्षेत्र की आजादी के लिए इसी विचारधारा से प्रेरित बताई जाती है। उसके लड़ाकों की युवा पीढ़ी भी बलूच क्रांतिकारियों के एजेंडे को आगे बढ़ाने में जुटी है। बलूचिस्तान में बीएलए की गतिविधियों को जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। हालांकि, खुले तौर पर यहां लोग बलूच लिबरेशन आर्मी के समर्थन में खड़े नहीं दिखाई देते। इसकी वजह यह है कि पाकिस्तान सरकार ने बीएलए से बात करने की जगह 2006 में ही इस संगठन को बैन कर दिया। तब

से लेकर अब तक बीएलए पाकिस्तानी सरकार के नुमाइंदों को निशाना बनाती आ रही है। बलूच लिबरेशन आर्मी की बनावट कुछ इस तरह की रही है कि इस संगठन ने अलग-अलग स्तर पर कई प्रमुख तैनात किए हैं। इस संगठन को सबसे लंबे समय तक चलाने वालों में असलम बलूच का नाम सबसे आगे है। इतिहास की बात करें तो असलम बलूच 2006 से 2018 तक इस संगठन का प्रमुख रहा। हालांकि, 2018 में अफगानिस्तान के कंधार में एक आत्मघाती हमले में

असलम की मौत हो गई थी। इस घटना से बीएलए को बड़ा झटका लगा था। हालांकि, संगठन ने इसके बाद से खुले तौर पर कभी अपने नेतृत्व में शामिल लोगों का एलान नहीं किया। बताया जाता है कि बलूचिस्तान में स्थानीय कुमांडर ही दस्तों के संचालन का जिम्मा उठाते हैं। बीएलए के अलावा बलूचिस्तान में जुम्मा ने 1964 में बलूच लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) की स्थापना की थी। बलूचिस्तान की आजादी के लिए बना यह संगठन एक समय काफी चर्चा में रहा। हालांकि, बाद में इस संगठन के लड़ाकों भी बीएलए में शामिल हो गए। इसके अलावा बीएलए की छत्र इकाई बलूच स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (बीएसओ) भी बलूचिस्तान में काफी सक्रिय है। इसका नेतृत्व एक समय डॉ. अल्लह नजर कर रहे थे, जो कि बलूच आंदोलन का बड़ा चेहरा रहे हैं। बताया जाता है कि बलूच नेतृत्व के ज्यादातर बड़े चेहरे अभी पाकिस्तान से बाहर रहे हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान में रह कर संगठन का नेतृत्व कर रहे चेहरों को पाकिस्तानी सेना लगातार निशाना बनाती रही है। बताया जाता है कि असलम बलूच को अफगानिस्तान में निशाना बनाने के पीछे भी पाकिस्तानी सेना का ही हाथ था।



संगठन ने अलग-अलग स्तर पर कई प्रमुख तैनात किए हैं। इस संगठन को सबसे लंबे समय तक चलाने वालों में असलम बलूच का नाम सबसे आगे है। इतिहास की बात करें तो असलम बलूच 2006 से 2018 तक इस संगठन का प्रमुख रहा। हालांकि, 2018 में अफगानिस्तान के कंधार में एक आत्मघाती हमले में

### वोटर लिस्ट-परिसीमन मुद्दे पर हंगामा

नई दिल्ली, 11 मार्च। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो चुका है। इस दौरान लोकसभा और राज्यसभा में भारी हंगामा देखा गया। आज भी दोनों ही सदन में हंगामे के आसार हैं। इस बीच अप्रवासन एवं विदेशी विधेयक, 2025 को लोकसभा में पेश किया जाएगा। केंद्र ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि राज्य सरकारों द्वारा संचालित प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा प्रणाली अलग-अलग पाठ्यक्रमों के साथ-साथ कोर्स की अवधि का भी पालन करती है और इसमें एकरूपता लाने की जरूरत है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण के साथ-साथ एक समान नियम और विनियमन की आवश्यकता है और मंत्रालय इस पर विचार करेगा। जाधव ने कहा कि अधिकांश आयुष डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जहां आयुष दवाओं की कमी है, जिससे डॉक्टरों को एलोपैथिक विकल्प लिखने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आयुष मंत्रालय ने शोध के लिए 24 देशों के साथ सहयोग किया है और संस्थान स्तर पर 51 ऐसे सहयोग किए गए हैं। हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयुष के प्रचार और प्रसार के लिए प्रतिबद्ध हैं। आयुष मंत्रालय 2047 तक विकसित भारत के मिशन में योगदान देने के लिए तैयार है। सरकार ने आयुष वीजा देने की भी पहल की है। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार का लक्ष्य 2025-26 तक देश में 200 डे कैम्प केयर सेंटर खोलने का है। यहां मरीजों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी और अगले तीन सालों में सभी जिलों में ऐसे सेंटर खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में आई लैसैट रिपोर्ट के अनुसार आयुष्मान भारत ने बड़ा योगदान दिया है और इस कार्यक्रम के तहत स्क्रीनिंग के 30 दिनों के भीतर कैंसर का इलाज शुरू हो गया है। केंद्रीय बजट में हर जिले में डे कैम्प केयर सेंटर खोलने की घोषणा की गई है।



## कनिमोड़ी ने धर्मप्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस पेश

एजेंसी नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कडगम (डीएमके) सांसद कनिमोड़ी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मप्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस पेश किया, जिसमें उन पर संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। कनिमोड़ी ने अपने नोटिस में कहा है कि धर्मप्रधान प्रधान ने लोकसभा में डीएमके सांसदों के बारे में विवादास्पद टिप्पणी की और तमिलनाडु सरकार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा के दौरान पीएम श्री योजना पर यू-टर्न लेने का आरोप लगाया। नोटिस में कनिमोड़ी ने शिक्षा मंत्री के दावे को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए उन पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। कनिमोड़ी ने कहा, मंत्री ने दावा किया कि तमिलनाडु सरकार ने शुरू में पीएम श्री योजना के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति व्यक्त की थी लेकिन बाद में अपना रुख बदल दिया। यह बयान भ्रामक, गलत है और अधिकारिक रिकॉर्ड का खंडन करता है। कनिमोड़ी ने आरोप लगाया कि उन्होंने असंयमित भाषा का इस्तेमाल किया और डीएमके सांसदों और उनके सहयोगियों के खिलाफ निराधार आरोप लगाए।

## पश्चिमी विक्षोभ के चलते 13-15 मार्च को दिल्ली एनसीआर में बारिश के आसार

नई दिल्ली। बढ़ते तापमान के बीच दिल्ली एनसीआर में एक बार फिर बारिश वाले बादल मंडराने लगे हैं। मौसम विभाग ने ताजे पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से दिल्ली-एनसीआर में 13-15 मार्च तक बारिश की संभावना जताई है। यही नहीं इस दौरान हवा की रफ्तार भी काफी तेज सकती है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश के साथ ही हवा की रफ्तार 16-20 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है। 11-12 मार्च को भी सतही हवा 20-30 किलोमीटर प्रतिघंटा की तेज रफ्तार से चल सकती है। इस दौरान धुंध के साथ ही आंशिक रूप से बादल भी छाए रह सकते हैं। हालांकि, दिल्ली में अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में अधिकतम तापमान 32.6 (+4.2) डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15.2 (+1.2) डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सिर्फ रिज क्षेत्र में सामान्य से 0.6 कम यानि 14.6 डिग्री दर्ज किया गया है। अन्य निगरानी केंद्रों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से लेकर 4.2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया है। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 15.2, पालम में 18.5, लोधी रोड में 15.0 व आयानगर में 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

## चुनावी प्रक्रियाओं में सुधार के लिए ईसी ने शुरू की पहल

नई दिल्ली, 11 मार्च। मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया है ताकि चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत किया जा सके। आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर 30 अप्रैल तक किसी भी अनसुलझे मुद्दे पर सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया है। ये मुद्दे चुनावी पंजीकरण अधिकारियों, जिला चुनाव अधिकारियों और मुख्य चुनाव अधिकारियों के स्तर के हो सकते हैं। चुनाव आयोग ने मंगलवार को राजनीतिक दलों को व्यक्तिगत पत्र भेजे हैं। पत्र में आयोग ने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से मिलकर एक बैठक करने का सुझाव दिया है, ताकि चुनाव कानून के तहत चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत किया जा सके। पिछले हफ्ते चुनाव आयोग की एक बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) जनेश कुमार ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ), जिला चुनाव अधिकारियों (सीईओ) और ईआर को निदेश दिया था कि वे राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठकें करें और इन बैठकों से मिले सुझावों का समाधान मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत कर और 31 मार्च तक रिपोर्ट पेश करें। आयोग ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे विकेंद्रीकरण के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करें।

राजनीतिक दल इसके द्वारा पहचाने गए 28 प्रमुख हितधारकों में से एक हैं। पत्र में आयोग ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम 1961, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों ने एक विकेंद्रीकृत, मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा बनाया है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करता है। मतदाता कार्ड में नंबर्स के दोहराव का मुद्दा संसद में भी गुंजा है, जहां लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी के मुद्दे पर चर्चा की मांग की है।

**PUBLIC NOTICE**  
NOTICE is hereby given to public at large that my client Ms. Divya Kumari is purchasing the Portion admeasuring 25 Sq. Yds., part of Property No. V-1034, carved out of Kharsa No. 79, situated at Vill. Ghonda Ghungra Banger, in the Abadi of Dispensary Road, Gali No. 7, Arvind Nagar, Ghonda, Shahdara, Delhi-110053 from Mr. Amit Jain who is the owner of the property vide Registration No. 123456789 dated 30.05.2024 and intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Limited. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property, please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

**NAME CHANGE**  
I, Mahesh Kumar S/O Nishi Ram Mittal R/O D-90, 4th floor, Sushant Lok Phase 2, Sector-56 Gurgaon Haryana - 122011 Have changed my name to Mahesh Kumar Mittal for all future purposes.

**NAME CHANGE**  
I, LEENA W/O SOURABH KATTIAR R/O A-1160B, Sector-14, Connaught Place, NORTH WEST DELHI, DELHI-110035 HAVE CHANGED MY NAME TO "LEENA WADHWANI" FOR ALL FUTURE PURPOSES.

**NAME CHANGE**  
It is for general information that I, TASVIR SINGH SANSANWAL S/O CHANDAN SINGH SANSANWAL R/O H-36, RAJ NAGAR PART-2, PALAM COLONY, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, declare that name of mine has been wrongly written as TASVEER SINGH in my minor son namely DEVARTH SANSANWAL aged 17 year in his 10th class educational documents. The actual name of mine is TASVIR SINGH SANSANWAL, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**  
I, RUKMANI DEVI is legally mother of I, NIRMAL DEVI W/O JC-523160P Rank-SUB Name-BABU RAM, R/O VILL-WASNI, POST WASNI, TEH-PACHHAD, DIST-SIRMOUR, STATE-HP, PIN-173024 have changed my name from RUKMANI DEVI to RUKMI DEVI for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 07/05/1950 instead of 05/02/1953. Vide Affidavit dated 11/03/2025 before Notary Public New Delhi.

**NAME CHANGE**  
It is for general information that I, ROHIT VERMA S/O RAVI SHANKAR R/O F-18, AMAN VIHAR, VTI KHAROLI SULEMAN NAGAR PO. SULTAN PURI, C-BLOCK, DISTRICT NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, declare that name of mine has been wrongly written as ROHIT in my 10th and 12th class educational documents and Graduation certificates. The actual name of mine is ROHIT VERMA which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**  
I, SHREYA W/O RAJESH KUMAR R/O D-90, 4th floor, Sushant Lok Phase 2, Sector-56 Gurgaon Haryana - 122011 Have changed my name to Shreya Kumari Mittal for all future purposes.

**NAME CHANGE**  
I, SHREYA W/O RAJESH KUMAR R/O D-90, 4th floor, Sushant Lok Phase 2, Sector-56 Gurgaon Haryana - 122011 Have changed my name to Shreya Kumari Mittal for all future purposes.

# मौजेजमेंट की पाठशाला है एबीवीपी : सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी नई दिल्ली। कभी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यकर्ता रही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थी परिषद के कार्यक्रम में पहुंचीं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा नई दिल्ली में छात्रा संसद का आयोजन किया गया था।

यहां मुख्यमंत्री ने कहा, विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि यह नेतृत्व निर्माण की पाठशाला है। इस मंच ने मुझे दीप पकड़ने से लेकर दीप जलाने तक की यात्रा कराई है। प्रत्येक छात्र को आगे बढ़ाने और नेतृत्व का पाठ पढ़ाने का कार्य

एबीवीपी ने किया है और यही कारण है कि आने वाले समय में इस संगठन से केवल एक नहीं, बल्कि सैकड़ों रेखा गुप्ता तैयार होंगी। छात्रा संसद के माध्यम से एबीवीपी एक विचार रूपी वट वृक्ष तैयार कर रही है, जिसकी छत्र में राष्ट्र निर्माण की नींव रखी जाएगी। मैं यह गर्व से कह सकती हूँ कि मैं एबीवीपीयन हूँ।



विद्यार्थी परिषद के मुताबिक, छात्रा संसद के लिए देशभर की 38,000 से अधिक छात्राओं का व्यापक सर्वेक्षण किया गया था। इसके आधार पर चयनित 300 छात्राओं ने छात्रा संसद में भाग लिया। शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और नेतृत्व से संबंधित विषयों पर गहन विमर्श करने के लिए छात्रा संसद की रूपरेखा तैयार

अध्यक्ष प्रो. मिलिंद मराठे, सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता मोनिका

की गईं। छात्राओं ने शिक्षा और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रमों को लागू करने, उच्च शिक्षा में छात्राओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए छात्रावासों की संख्या में वृद्धि करने की मांग की। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों में अध्ययन करने आने वाली छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति योजना का प्रावधान, पाठ्यक्रम में विरांगनाओं, महिला वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों और नेतृत्वशील महिलाओं के योगदान को सम्मिलित करने की मांग भी की गई। महिला शोधार्थियों के लिए विशेष योजना एवं अनुदान सुनिश्चित करने आदि महत्वपूर्ण विषयों पर बल दिया गया। इसके

## भारत-मॉरीशस दोस्ती की नींव को और मजबूत करेगी मेरी यात्रा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दो दिवसीय मॉरीशस दौरे से पहले कहा कि उनकी यात्रा दो देशों की दोस्ती की नींव को और मजबूत करेगी। वह मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के निमंत्रण पर मंगलवार की सुबह मॉरीशस की राजधानी पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। भारतीय नौसेना के एक जहाज के साथ भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी भी समारोह में भाग लेगी। पीएम मोदी ने अपनी यात्रा को लेकर सोमवार शाम को एक पत्र लिखा, कल से ही मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूँ,



जहां मैं उनके 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लूंगा। मैं अपने मित्र और प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र

हूँ। पीएम मोदी ने कहा, मॉरीशस एक करीबी समुद्री पड़ोसी और हिंद महासागर का एक प्रमुख साझेदार है। हम साझा मूल्यों और गहरे सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े हुए हैं। मेरी यात्रा हमारी दोस्ती की नींव को और मजबूत करेगी और भारत-मॉरीशस संबंधों में एक उज्ज्वल अध्याय जोड़ेगी। यह प्रधानमंत्री मोदी की 2015 के बाद पहली मॉरीशस यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी की वर्तमान यात्रा से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। पिछले महीने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने देश की संसद को प्रधानमंत्री मोदी की आगामी यात्रा के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने संसद को संबोधित करते हुए कहा,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कई बार पत्र लिखकर ड्रग्स पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोई जवाब

लेकिन उन्होंने ड्रग्स कारोबार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए? पीएमएलए (प्रिवेशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत ड्रग्स के कारोबारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कई बार पत्र लिखकर ड्रग्स पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोई जवाब

लेकिन उन्होंने ड्रग्स कारोबार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए? पीएमएलए (प्रिवेशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत ड्रग्स के कारोबारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कई बार पत्र लिखकर ड्रग्स पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोई जवाब

लेकिन उन्होंने ड्रग्स कारोबार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए? पीएमएलए (प्रिवेशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत ड्रग्स के कारोबारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

## पंजाब में नशा तस्करो के खिलाफ 'आप' सरकार कर रही कड़ी कार्रवाई: प्रियंका कक्कड़

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कई बार पत्र लिखकर ड्रग्स पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोई जवाब

लेकिन उन्होंने ड्रग्स कारोबार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए? पीएमएलए (प्रिवेशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत ड्रग्स के कारोबारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कई बार पत्र लिखकर ड्रग्स पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोई जवाब

लेकिन उन्होंने ड्रग्स कारोबार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए? पीएमएलए (प्रिवेशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत ड्रग्स के कारोबारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कई बार पत्र लिखकर ड्रग्स पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोई जवाब

लेकिन उन्होंने ड्रग्स कारोबार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए? पीएमएलए (प्रिवेशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत ड्रग्स के कारोबारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कई बार पत्र लिखकर ड्रग्स पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोई जवाब

लेकिन उन्होंने ड्रग्स कारोबार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए? पीएमएलए (प्रिवेशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत ड्रग्स के कारोबारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को कई बार पत्र लिखकर ड्रग्स पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन कोई जवाब

लेकिन उन्होंने ड्रग्स कारोबार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए? पीएमएलए (प्रिवेशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत ड्रग्स के कारोबारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है,

एजेंसी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा दिल्ली में नशे के कारोबार पर लगाम कसने में नाकाम रही है। राजधानी में ड्रग्स की बढ़ती समस्या से लोग परेशान हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इसे रोकने की अपील कर रहे हैं।

## विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान का दिल्ली में किया स्वागत

एजेंसी नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एकस पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने दिल्ली में आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान का स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, शिक्षा, संपर्क, गतिशीलता और संस्कृति को बढ़ावा देने पर उपयोगी चर्चा हुई। इसके अलावा, वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

जयशंकर ने वीडियो में कहा कि आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान का दिल्ली में स्वागत करते हुए उन्हें हमेशा खुशी होती है। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि ये संबंध इतिहास में बहुत गहरे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि

आर्मेनियाई अखबार भारत में प्रकाशित हुआ था, जो इस बात का प्रतीक है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते बहुत पुरानी और मजबूत जड़ें रखते हैं। विदेश मंत्री ने इस दौरान कहा कि दोनों देशों के बीच अच्छे राजनीतिक सहयोग है और व्यापार के आंकड़े बढ़ रहे हैं। रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग मजबूत हो रहा है, और संस्कृति दोनों देशों के रिश्तों का एक मजबूत स्तंभ बना हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्मेनिया में कई भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जिनकी देखभाल के लिए आर्मेनिया का धन्यवाद किया। जयशंकर ने बताया कि भारत और आर्मेनिया के बीच लोगों के बीच अच्छे संबंध हैं और दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान लगातार बढ़ रहा है। उनका एजेंडा इस बात पर केंद्रित है कि इन रिश्तों को और कैसे बेहतर किया जा सकता है।

**NAME CHANGE**  
I, NIGAM DEVI Wife of JC-563029A Rank-NB SUB Name-NITESH KUMAR Presently residing at VILL-RANADIH, PO-KAHUA, PS-SANGRAMPUR, DISTT-MUNGER, BIHAR-813221, have changed my name from NIGAM DEVI to NIGAM KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 11/03/2025 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**  
To be Known to all that I (Name of the Mutatee) Nirmal Parthap Bhatia W/o Late Sh. Parthap Gianchand Bhatia R/O B-116, Kalkaji, New Delhi-110019 has applied for conversion of the aforesaid B-116 situated in Kalkaji, New Delhi-110019 from lease hold to free hold in DDA. The original documents i.e. Allotment Letter, Possession Letter, Site Possession Slip & NOC for Electricity & Water Connection in issued by DDA of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi & LR No. 2058175/2025. Any person (S) Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB) H/O Director (H)-1, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

**NAME CHANGE**  
I, PITCHAMMA Mother of JC-442156M Rank-NB SUB Name-RAMANA REDDY has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi & LR No. 2058175/2025. Any person (S) Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB) H/O Director (H)-1, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

**PUBLIC NOTICE**  
Information is given to general public at large that our client Sh. Zakir is the owner of Freshhold Residential Part of Plot admeasuring 40 sq. yds. out of Kharsa No. 1760, Situated at East Mustafabad Colony, in the Abadi of Village Loni (Chakhandi Bahar), Pragana and Tehsil Loni, Distt. Ghaziabad, U.P. by virtue of Gift Deed dated 27.12.2023 vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Ghaziabad., in the chain documents build mentioned document not available i.e. (1) Original Regd. GPA, ATS WILL dated 06.09.2004, (2) Original GPA, Notary ATS & WILL dated 16.01.2008, (3) Original Regd. GPA dated 02.02.2018 executed by Smt. Zubeda in favour Sh. Nasir vide Doc. No. 19839, in Book No. 1, Vol. No. 1638, on Pages 1-4 to 60, on this dated 27.12.2023. SR-L01 (G) Gh









# हर पहली का हल

# सहेली



किसी ने खूब कहा है कि अगर गम को बांट लो तो वह आधा रह जाता है, लेकिन अगर खुशी को बांट लो तो वह दोगुना हो जाती है। यह सहेली ही होती है, जिससे गम हो या खुशी हम सब कुछ बांट सकते हैं...

मायरा और रिचा स्कूली दिनों से ही आपस में बहुत खास सहेली रही हैं। स्कूल से निकलकर जब वे दोनों कॉलेज

पहुंची तो उन्हें देखकर हर कोई दो जिस्म एक जान कहा करता था। न केवल कालेज में, बल्कि कॉलेज से बाहर भी वे दोनों अधिकतर साथ-साथ रहती थीं। पढ़ाई-लिखाई के साथ ही वे एक-दूसरे के हर सुख-दुख में बराबर साथ देती थीं। जब एक हदसे में मायरा के मम्मी-पापा की मौत हुई, तब वह मानसिक तौर पर टूट चुकी थी, पर रिचा ने मायरा

को हर प्रकार से भावनात्मक संबल प्रदान किया। यही नहीं कुछ साल बाद मायरा की शादी में भी रिचा ने बड़-चढ़कर हिस्सेदारी की। इसी प्रकार रिचा की शादी में मायरा ने भी ईमानदारी से पूरी मदद की। इसे संयोग कहें या दोनों की खुशकिस्मती। आजकल दोनों एक शहर में रह रही हैं और हर सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ देती हैं। अगर आप चाहती हैं कि आप और

आपकी सहेली में परस्पर प्रेम और सद्भाव बना रहे तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

### कटु वचन न बोलें

परफेक्ट दोस्ती का सबसे पहला फंडा यही है कि एक-दूसरे के प्रति कभी भी आपस में और न ही किसी तीसरे से कटु वचन बोलें। हो सकता है कि जाने-अनजाने आपकी सहेली से भी कोई भूल हो जाए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसके बारे में स्वयं कुछ

उल्टा-सीधा बोलें या किसी और से कुछ कहें। यदि आपको उसकी कोई बात खराब लग रही है या बीते दिनों में खराब लग चुकी है तो बेहतर यही होगा कि जब केवल आप दोनों हों तो उससे यह कह सकती हैं कि मुझे तुम्हारी फलां बात अच्छी नहीं लगी या मुझे आजकल तुम्हारा रवैया सही नहीं प्रतीत हो रहा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अकेले में कही गई बात उसे सोचने के लिए मजबूर करेगी और वह अपने अंदर झांकने का प्रयास अवश्य करेगी। ताकि भविष्य में उससे कोई गलती न होने पाए।

### रखीया महत्व नहीं रखती

यह किसी भी कित्ताव में नहीं लिखा है कि आपकी जितनी अधिक सहेलियां होंगी, आप उतनी ही प्रसन्न रहेंगी। हालांकि कुछ महिलाओं की यह सोच होती है कि सहेलियां जितनी ज्यादा हों, उतना ही अच्छा होगा। हकीकत यह है कि सहेलियों की संख्या महत्व नहीं रखती, बल्कि उनकी निष्ठा व प्रेम महत्व रखता है। एक कहावत भी है कि जो सभी का दोस्त होने का दावा करता है, वह किसी का सच्चा दोस्त नहीं होता। इसलिए संख्या के फेर में न पड़कर सही सहेली का चुनाव न केवल आपके लिए, बल्कि सहेली के लिए फायदेमंद साबित होगा।

### भावनाओं का सम्मान

सम्मान, विश्वास, एक-दूसरे के प्रति वफादारी और

प्रेम, इन बातों को दोस्ती का पर्याय माना जाता है। इसलिए हमेशा अपनी सहेली की भावनाओं का सम्मान करें।

### शेयर करें मन की बात

आपकी सहेली कोई जादूगर नहीं है, जो बिना बताए आपके मन की बातों को समझ ले। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि कोई भी आपके मन की बात तब तक नहीं समझ सकता, जब तक कि आप उसे शेयर नहीं करेंगी। इसलिए संकट के समय या जरूरत पड़ने पर अपनी सहेली से निःसंकोच होकर अपनी परेशानी बताएं। इस संदर्भ में यह बात जरूर याद रखें कि छोटी-छोटी बातों के लिए सहेली को परेशान न करें।

### अपनी ओर से पहल

आज की आपाधापीभरी जिंदगी में आप और आपकी सहेलियां यह कह सकती हैं कि क्या करें काम से फुर्सत ही नहीं मिलती। ऐसे में मुलाकात कैसे हो। इस संदर्भ में आप इस बात का इंतजार न करें कि वे जब तक आपसे मिलने की पहल नहीं करती तो फिर मैं क्यों पहल करूं। सही रिश्तों की राह में इस तरह की बातें सामने नहीं आनी चाहिए। अगर आप अपनी सहेली से मिलने की पहल करेंगी तो आपको बड़प्पन बढ़ेगा, न कि कम हो जाएगा। हफ्ते-दस दिन में कम से कम एक बार फोन कर या मैसेज के द्वारा सहेली के हालचाल पूछ सकती हैं। यदि आप एक ही शहर में रहती हैं तो समय-समय पर अपनी सहेली को कॉफी, लंच या डिनर पर आमंत्रित कर सकती हैं। यह बात दोनों लोगों पर समान रूप से लागू होती है।

### वाद निभाना

यदि आपने अपनी सहेली से किसी भी तरह कोई वादा किया है तो उसे हर हाल में निभाने की कोशिश करें। उदाहरण के लिए आपकी सहेली ने आपसे घर पर मिलने के लिए समय मांगा है तो निर्धारित समय पर घर पर रहकर उसका इंतजार करें। ऐसा न हो कि वह आपके घर आए और आप घर पर उपस्थित ही न हों। इसी प्रकार यदि आपने रुपये-पैसे के लेन-देन का वादा किया है तो इसे भी पूरी ईमानदारी से निभाएं।

### खुश रहेंगा मन

अमेरिका में हुई एक रिसर्च के अनुसार दोस्तों के साथ समय बिताने से उदासी और डिप्रेशन की शिकायत नहीं होती है। विशेषज्ञों के अनुसार दोस्तों के साथ समय बिताने पर आपको न केवल मानसिक, बल्कि भावनात्मक और शारीरिक स्तर पर भी राहत मिलती है।

## जब नेट पर करें जीवनसाथी की तालश



आजकल विवाह मैट्रोमोनियल साइट्स के जरिए तय होने लगे हैं। यह एक बेहतर माध्यम है, मगर ध्यान न रखा जाए तो कई बार धोखे का खतरा भी रहता है...

देश में आजकल मैट्रोमोनियल और डेटिंग साइट्स की भरमार हो गई है। व्यस्त जीवनशैली में मनमाफिक जीवनसाथी की तलाश मुश्किल है। इसी तलाश को आसान बनाने में जुटे हैं मैरिज पोर्टल्स। इससे यह फायदा है कि अपने विचारों के अनुरूप जीवनसाथी मिलने की गुंजाइश अधिक रहती है। दहेज रहित विवाह करना हो या कोर्ट मैरिज, जाति-बंधन रहित शादी करनी हो या दूसरी मैरिज, इन साइट्स में सारे विकल्प मौजूद हैं। अब तो कई मैरिज पोर्टल्स एचआइवी पॉजिटिव व अन्य मेडिकल कंडीशंस वाले लोगों के लिए भी जीवनसाथी ढूँढने का काम कर रहे हैं। इन साइट्स के जरिये युवाओं को मनपसंद जीवनसाथी मिलता है, मगर कई बार धोखे की शिकायतें भी मिलती हैं। ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जब इन साइट्स में दी गई जानकारी गलत निकली। कई बार रुपये-पैसे की मांग की गई तो ब्लैकमेलिंग की घटनाएं भी हुईं। एक वेबसाइट ने ऐसे ही शोध के बाद मैट्रोमोनियल साइट्स का इस्तेमाल सावधानी से करने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी साइट्स पर जाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

1. विज्ञापन देने से पहले देखें कि वह रजिस्टर्ड वेबसाइट है या नहीं। लोगों से भी इसके बारे में पूछें, ताकि पता चल सके कि यह सही साइट है या नहीं।

2. प्रोफाइल पिक्चर ही सब कुछ नहीं होती। कई बार लोग फोटो व प्रोफाइल की जानकारी देकर रिक्वेस्ट भेज देते हैं। ऐसा न करें। यह जरूरी नहीं है कि दूसरे पक्ष ने जानकारी सही-सही भेजी होगी। प्रोफाइल को और माध्यमों से भी चेक करें। फेसबुक, गूगल सर्च या प्रोफेशनल वेबसाइट्स में जाकर भी उस प्रोफाइल का पता लगाया जा सकता है।

मेरी मित्र मोहिनी के घर भी शुभ लगन उचर गया है। लड़का मिलने पर सबसे बड़ी चिंता लहंगा की ही आई। और लहंगा लेना हो तो चौदनी चौक बाजार ही जाना लाभकारी होता।

पहूँच गए हम एक लहंगा की दुकान पर। लहंगा ही लहंगा। लहंगा दिखाने वाले सेल्समैन ने पूछ, 'मैडम! थोड़ी अपनी रेंज बतलाएंगी।'

मोहिनीजी ने कहा, 'आप लहंगा दिखाए। हम मध्यवर्ग से हैं। हमें मध्य मूल्य का लहंगा दिखाए।' मोहिनीजी की जिद पर उसने कीमत भी बतानी शुरू की।

बीस-पच्चीस से लेकर चालीस हजार तक के ही लहंगों का ढेर लगा दिया। इस बीच दो परिवार (बेटी, पिता-

3. अपनी ओर से पहल न करें। सीधे संपर्क से बचें। साइट पर दिए गए विकल्पों में पहले दिलचस्पी वाले विकल्प को चुनें। दूसरी ओर से जवाब मिलने के बाद ही आगे सोचें।

4. साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार पर्सनल या ऑफिशियल ईमेल पते या आईडी के बजाय साइट पर नया एकाउंट खोलें, जो सिर्फ वैवाहिक रिश्ते के लिए ही बनाया जाए। प्रोफाइल में दी गई जानकारी को ध्यान से पढ़ें और उस पर अच्छे तरह सोच-विचार करें। याद रखें, हर चमकदार चीज सोना नहीं होती, इसलिए बहुत सोच-समझकर ही निर्णय लें। निजी जानकारी, फोन नंबर, ईमेल, पोस्टल एड्रेस देने से बचें।

5. साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार बैंक एकाउंट या क्रेडिट कार्ड डिटेल्स जैसी जानकारी कभी भी दूसरे को न दें। यदि कोई ऐसी डिटेल्स चाहे या उसका प्रोफाइल संदिग्ध दिखे तो इसकी जानकारी तुरंत संबंधित साइट को दें, ताकि समय पर जांच करके ऐसे व्यक्ति को ब्लॉक किया जा सके।

6. जब तक दूसरे पक्ष पर भरोसा पुख्ता न हो, पहचान गुप्त रखें। जिसे सचमुच रिश्ता जोड़ना होगा, वह दूसरे की प्राइवसी और सम्मान का ख्याल जरूर रखेगा।

7. एक बार मेल पर संपर्क होने के बाद चैट मैसेंजर के जरिये बातचीत की जा सकती है। सामान्य बातचीत से ही शुरुआत करें। जैसे पसंद-नापसंद, शौक आदि। इससे व्यक्ति के स्वभाव और व्यवहार का अंदाजा लगाया जा सकता है। पूरी तरह निश्चित होने के बाद ही फोन पर बातचीत शुरू करें।

8. फोन पर बातचीत करते हुए समय का ध्यान रखें। साथ ही परिवार के सदस्यों की बातचीत भी कराएँ। यह भी ध्यान दें कि जिस नंबर से कॉल की जा रही है, वह सही हो।

9. साइबर पुलिस के निर्देशानुसार किसी एनआरआई से बातचीत में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। व्यक्ति की सही पहचान, लोकेशन, पद या परिवार के बारे में जानकारी के लिए वहां रहने वाले दोस्तों, रिश्तेदारों या परिचितों की मदद लें।

10. मुलाकात सार्वजनिक जगह या घर में ही करें। मुलाकात के दौरान माता-पिता या किसी परिचित को साथ रखें और उसके परिवार के सदस्यों को भी साथ रखने का आग्रह करें।

## बाहर हैं तो रहें अलर्ट

बड़े से बड़े अपराध के मूल में नजर है। एक नजर या फिर कई दिनों तक की चौकस निगाहें। चोरी, लूट या छेड़छाड़ सारा नजर का मामला। बस, इस नजर से बचें तो बहुत हद तक अपराध से भी बचा जा सकेगा। कौन कहता है कि अपराध केवल हथियार से ही होते हैं। नजरों से होती है अपराध की शुरुआत।

दुनिया के सारे के सारे अपराध नजरों से ही किए जाते हैं, क्योंकि दुनिया की सारी गतिविधियां पर आँखों से नजर रखी जाती हैं। बिना देखे इंसान भला अपराध कैसे कर सकता है? नजरों के शिकार होने से हमें हर एक चीज को बचाना होगा। आज अगर बाजार जाती हैं तो रुपए-पैसे के बैग, बटुए को लोगों की नजर से बचाकर रखें।

ज्यादातर जेबकतरे सच्ची वगैरह खरीदते समय आपके बैग पर नजरें गड़ाए रहते हैं, क्योंकि हम किसी एक से तो सच्ची नहीं खरीद पाते हैं, कई लोगों से कई तरह की सच्कियां खरीदना पड़ती हैं।

जगह-जगह लेने और देने के समय हमारा पर्स हो जाता है जेबकतरे की नजर का शिकार। इसलिए हमें चाहिए कि कुछ छोटे नोट और खुदसे पैसे रख लें ताकि बार-बार बड़े नोट न निकालने पड़ें। सफर इत्यादि भी करते समय अपने माल और जान दोनों को ही लोगों की नजरों से बचाकर रखें।

इतना ही नहीं, आप अगर महिला हैं तो स्वयं को भी लोगों की नजरों से बचाकर रखें। लोगों की नजर आप पर न पड़ने दें, बल्कि लोगों की नजरों पर आप नजर रखें और पहचानने का प्रयास करें कौन-सी नजर आपसे क्या कह रही है? घर से निकलते ही सार्वजनिक जगहों पर चाहे वह बाजार, दफ्तर, स्कूल, कॉलेज ही क्यों न हों-नजरों से बचने का भरपूर प्रयास करें। इसके लिए शालीनतापूर्ण कपड़े सबसे जरूरी हैं। अपने बैग या पर्स का प्रदर्शन अत्यधिक हिला-हिलाकर न करें।

चिन्नाकर बातें न करें। अपनी बच्ची चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो, उसे भी नजरों से बचाए रखें। अपनी बेटियों को भी वही कपड़े पहनाएँ, जो उन पर अच्छे और शालीन लगें। उन्हें भी लोगों की नजरों को परखने की सीख दें। उन्हें आजादी तो दें, पर नजरों को पहने की सीख पहले दें।

शादी-विवाह जैसे समारोह में जाने पर भी अपने गहनों का अत्यधिक प्रदर्शन और बखान न करें। याद रखिए हथियार से हुए शिकार का इलाज हो सकता है, परंतु नजरों से हुए शिकार का कोई भी इलाज नहीं है। इसलिए जरा बचकर रहिए नजरों से।

## शादी का टेंट और लहंगा



माँ एक-दो और लोग) आ गए थे। सबसे बैठने की जगह भी निकल आई थी, छोटी-सी दुकान में।

बाहर ठंड और अंदर पंखे चल रहे थे। हमने उस ढेर से पहले दस फिर पाँच, पुनः पाँच में से दो लहंगा छंटी। बहुत मशकत करनी पड़ी। मस्तिक पर काफ़ी जोर देना पड़ा। उनकी कीमतों में भी अंतर था। एक 20 हजार का दूसरा 25 हजार का लहंगा था।

पाँच हजार भी मायने रखता है। हम दुविधा में थे। निर्णय लेना कठिन।

सेल्समैन ने कहा, 'मम्मीजी! आप टेंट भी तो लगाओगे न। इस लहंगा की भी टेंट का ही एक हिस्सा सम्मिल लें। दोनों में फर्क यही है कि टेंट वाला अपना सुंदर टेंट उतार ले जाएगा। यह टेंट (लहंगा) जो आपकी बेटी के शरीर को रानी की शोभा प्रदान करेगा, आपके घर में रह जाएगा।'

हमें अपनी बात पचाने में व्यस्त देख उसने पूछ, 'यह वाला रखूँ?' उन्होंने कहा, 'इसे ही पैक कर दें।' वह बोला, उहाँ! अभी नहीं। जिस प्रकार आपकी बेटी स्टेज पर जाने से पूर्व ब्यूटी पालर में जाएगी, वैसे ही अभी यह लहंगा ब्यूटी पालर में जाएगा। इसे चमका दिया जाएगा।

शादी-ब्याह का मौसम आया नहीं कि बाजार में छोटी-बड़ी दुकानों से लेकर मॉल तक शेरवानी और लहंगा चमकने लगता है। पाँच हजार से लेकर पाँच लाख तक के लहंगे। अपनी-अपनी जेब के अनुसार लहंगे खरीदे जाते हैं।

आपके सामने वह बिटिया जो एक लाख का लहंगा पसंद कर गई, उसे आप स्टेज पर नहीं पहचान पाएंगी। मुझे ध्यान आया टाइट जींस, अति लघुरूप का टॉप पहनी साँवली, दुबली-पतली, अमेरिका में नौकरा करती वह लड़की दुबारा उस लहंगा को नहीं पहनेगी, तो क्या।

वह लहंगा से पाँच गुनी कीमत वाला टेंट भी तो फिर नहीं लगेगा। इसी समझ ने सहलाया था और हम मन ही मन उस सेल्समैन के हुंकार की सलाहना करते रहे।

# क्यों आता है इतना गुस्सा? हेल्थ प्लस तनाव एक रोग हो सकता है

'अल्बर्ट' पिंटो को गुस्सा क्यों आता है? के नसीर हों या 'मुझसे शादी करोगी' के सलमान, गुस्से में दोनों ही खुद को भी नुकसान पहुँचाते रहते हैं। वाकई गुस्सा है ही ऐसी शै जो आपके शरीर और मन दोनों को नुकसान पहुँचा सकती है।

गुस्सेल स्वभाव व्यक्तिगत रूप से हार्ट अटैक की आशंका को तीन गुना बढ़ा देता है तो 55 साल के बाद छः गुना। गुस्सा हमारी निर्णय क्षमता को न केवल कुंठ करता है, बल्कि इसकी निरंतरता यह क्षमता ही खत्म कर देती है। गुस्सा हर उम्र और हर स्थिति में बहुत खतरनाक है। लेकिन युवावस्था में तो यह करेले में नीम जैसी स्थिति पैदा करता है। क्योंकि गुस्से से जहाँ इस उम्र में कार्यक्षमता प्रभावित होती है वहीं करियर और रिश्तों को दुनिया भी इस उम्र में सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। इसलिए गुस्से पर नियंत्रण रखें। इसके लिए आजमाएँ ये टिप्स-

- ध्यान रखें गुस्सा करना आसान है, उसे नियंत्रित करना मुश्किल। क्योंकि गुस्सा करके आप हालात नहीं बदल सकते, सिर्फ अपने आपको नुकसान पहुँचा सकते हैं। इसलिए गहरी साँस लें, रिलेक्स हो जाएँ ताकि गुस्से पर काबू पा सकें।
- गुस्से को शांत करने का सबसे आसान तरीका है कि अपनी मांसपेशियों को रिलेक्स करें। सिर्फ मुट्ठी को खोलने और जबड़े को रिलेक्स करने से आप शांत हो सकते हैं। गहरी साँस लेने से एंजायटी आपके शरीर से बाहर चली जाएगी।
- अपनी आँखें बंद करके गहरी साँस लें औ सोचें कि तनाव आपसे दूर जा रहा है। इससे आप शांत हो जाएँगे और रिलेक्स महसूस करेंगे।
- अगर ट्रैफिक जाम की वजह से गुस्सा आ रहा है, तो अपनी कार में रखे हास्य व मनोरंजन से भरे टेप बजाएँ ताकि आपका ध्यान बाँट सके। अगर यह भी काम न करे और आपको महसूस हो कि आपका पाया चढ़ रहा है, तो एक तरफ़ हो जाएँ और अपने आपसे बातें करने लगें ताकि शांत हो सकें। जब तक गुस्सा नियंत्रण में न आ जाए, तब तक फिर से ड्राइविंग न करें।
- अगर आप किसी ऐसी स्थिति में फँस गए हैं कि उस पर विशेष कुछ नहीं कर सकते हैं, तो उससे लड़ने की बजाएँ सिचुएशन को दूसरे नजरिए से देखने का प्रयास करें। कुछ खुशगवार चीजों के बारे में सोचने लगें।
- अपने आपसे कुछ सकारात्मक बातें दोहराएँ। जैसे- मैं अच्छा महसूस कर रहा हूँ और सब कुछ ठीक-ठाक है। इस तरह भी काम बन सकता है।
- दबा हुआ तनाव अच्छी महक के सहारे जिस्म से रफूचककर हो जाता है। इसलिए खुशबूदार तेलों का प्रयोग करें। शुद्ध लेवेंडर तेल टिश्यू पेपर पर डालकर उसे अपनी जेब या पर्स में रख लें या किसी ऐसी जगह पर जहाँ तनावपूर्ण

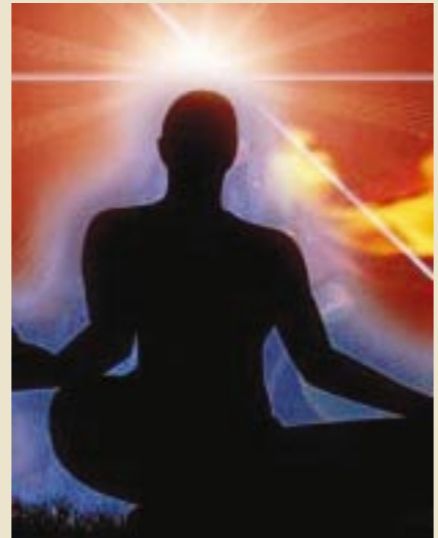
स्थितियों में उसे आसानी से निकाला जा सकता हो।

- जब आप तनावग्रस्त होते हैं, तो आपका जिस्म एड्रिनालीन नामक रसायन का उत्पादन करता है, जो आपके जिस्म में कम से कम 18 घंटे तक रहता है।
- अगर आप बार-बार गुस्सा करते हैं, तो इस रसायन की मात्रा आपके जिस्म में बढ़ती जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार इसे अपने शरीर से बाहर निकालने का सबसे अच्छा तरीका कसरत है। इसलिए दिन में समय निकालें (सुबह ज्यादा बेहतर है) कि आप तेज चहलकदमी, तैराकी या जिममें आधा घंटे तक वर्कआउट कर सकें।
- जल्दबाजी गुस्से के लिए चाहौल बनाती है।
- गुस्सा जताने के लिए चीखने के लालच से बचें।

जब आप खुद में गुस्से का अहसास महसूस करने लगें तो यह करना शुरू कर दें-

- 100 तक गिनती गिनें। फिर 10 बार गहरी साँस लें।
- धूमने चले जाएँ और सरपट चाल से चलें।
- मुँह पर ठंडे पानी के छोटें मारें। एक गिलास पानी पिपें और अपने बिखरे बालों को सँवारने के लिए आईने के सामने आ जाएँ।
- संगीत के जरिए अपना ध्यान बाँटें, जो विषय गुस्सा दिलाए, बातचीत से उसे निकाल दें।
- अगर योग करना जानते हों तो उसे शुरू कर दें।

## हेल्थ के लिए रहें मेंटली कूल



- काम, आराम और व्यायाम में तालमेल बैठाएँ।
  - जीवन ईश्वर का दिया एक अनुपम उपहार है। सुबह ईश्वर को इस वरदान के लिए धन्यवाद देना चाहिए।
  - पाँजिटीव थिंकिंग से लाइफ में चमत्कार हो सकता है।
  - खुश रहना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है।
  - डे ड्रीमिंग आत्मविश्वास में इजाफा करते हैं। सो, विदास सपने देखें।
  - संगीत का जादू मन का मौसम बदल देता है।
  - रोना भी एक टॉनिक है। इसलिए कभी-कभी दिल भर आए तो रो लीजिए।
  - स्पोर्ट्स, पेंटिंग, गार्डनिंग, दूरिज्म, म्यूजिक या रीडिंग जैसी हॉबीज विकसित करें।
  - 'क्षमा करो भूल जाओ' यानी 'फॉरगिव एंड फॉरगेट' का सिद्धांत अपनाएँ।
  - क्रिएटिव राइटिंग से नेगेटिव थिंकिंग कम होती है।
  - मिल-जुलकर रहें और खुश रहें।
  - इंटेलेजेंस, इमोशन और स्प्रिच्युएलिज्म में सही तालमेल बिठाएँ।
- प्रिक्वांशंस इज बेटर देन क्योर' यानी उपचार से रोकथाम बेहतर है। समय, प्रयास और धन की दृष्टि से यह फंडा कारगर है। राष्ट्र की खुशहाली व उन्नति युवाओं की सेहत पर निर्भर करती है। अतः देश के युवाओं का दायित्व है कि वह हेल्थ और मेंटल फिटनेस पर ध्यान दें।

जीवन में हम बहुत सी शारीरिक और मानसिक बीमारियों से गुजरते हैं। अनावश्यक तनाव भी इसी प्रकार की एक बीमारी है जो बहुत सी मानसिक चिंताओं जैसे जल्दी परेशान हो जाना, प्रतिदिन होने वाले कामों की चिंता करने से उत्पन्न हो जाती है। इस मानसिक तनाव के बहुत से प्रकार होते हैं जैसे- पैनिक डिस्टॉर्डर, ऑपसेसिव-कंपल्सिव डिस्टॉर्डर, फोबिया और पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिस्टॉर्डर।

**कारण**  
मानसिक तनाव के बहुत से कारण हो सकते हैं जिनमें मस्तिष्क में पाए जाने वाले रसायनों का बढ़ना या घटना, इन्सोमनिया, अत्यधिक तनाव, कोई बड़ा हादसा आदि।

इनके साथ कई मेडिकल परिस्थितियाँ भी शामिल हो सकती हैं जैसे- हाईपोग्लायसीमिया या फिर कोई तनावपूर्ण कार्य या यह अनुवांशिक भी हो सकता है।

**लक्षण**  
इस तरह के तनाव में शारीरिक लक्षणों के साथ-साथ भावनात्मक लक्षण भी देखे जाते हैं। भावनात्मक लक्षणों में उर, घबराहट, बुरे सपने यह फिर किसी पुराने हादसे की याद शामिल हो सकते हैं। इस तनाव से गुजर रहे मरीजों में नींद कम आना, तेज हृदयगति, हाथों का ठंडा पड़ जाना आदि लक्षण देखे गए हैं।

**उपचार**  
इसके इलाज के लिए कई विकल्प मौजूद हैं जिनमें दवाइयों के साथ फिजियोथेरेपी को भी शामिल किया जाता है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले बीमारी को ठीक से जांच लेना जरूरी होता है इसलिए

मनोविश्लेषक इसकी जांच के साथ-साथ यह भी पता लगाते हैं कि यह बीमारी कहीं अनुवांशिक तो नहीं।

निम्नलिखित मिलेजुले प्रयोग द्वारा इस बीमारी से निपटा जा सकता है -

**बिहेवियर थेरेपी (व्यवहार पद्धति):** इस थेरेपी में मरीज के अवांछित बर्ताव पर नियंत्रण पाने की कोशिश की जाती है। मरीज इस थेरेपी के माध्यम से कठिन परिस्थितियों का सामना करना सीखता है। इसमें रिलेक्सेशन तकनीक द्वारा मरीज को अपना व्यवहार परिस्थिति के मुताबिक बदलना सिखाया जाता है।

**काग्निटिव थेरेपी:** यह थेरेपी में मरीज के दिमाग में आने वाले बुरे विचारों पर नियंत्रण रखना सिखाया जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि इन विचारों से तकलीफदायक भावनाएँ ना उत्पन्न हों।

**काग्निटिव-बिहेवोरियल थेरेपी:** कई डॉक्टर दोनों पद्धतियों के संयोग का भी प्रयोग करते हैं। इस थेरेपी से मरीज जल्दी बेहतर होने के तरीकों को जान पाते हैं।

**रिलेक्सेशन थेरेपी:** यह थेरेपी मरीज को शारीरिक तकलीफों से आराम दिलाने में मददगार साबित होती है। इस तकनीक में मरीज से व्यायाम कराया जाता है। इन सारी पद्धतियों के साथ ही कुछ दवाएँ भी दी जाती हैं।

**दवाइयाँ:** हल्के ट्रॉक्युलाइजर, एंटीडिप्रेसेंट और कई सारी दवाइयाँ दी जाती हैं जिनसे मरीज आराम महसूस कर सकता है। ज्यादातर उपयोग में आने वाली दवाएँ हैं अल्प्रज़ोलम, ड्राएजीपाम, क्लोनेजीपाम आदि। लेकिन दवाइयाँ प्रयोग करने से पूर्व अपने चिकित्सक से सलाह अवश्य लें।



## लॉन्ग लाइफ जीना है तो खुलकर हँसें

हँसी जहाँ आपके चेहरे पर निखार और खुबसूरती बिखेरती है वहीं आपके लंबी उम्र के लिए भी जिम्मेदार है। जो हँस, अब एक ताजा रिसर्च से पता चला है कि आप जितना ज्यादा खुलकर मुस्कुराएँ उतना ही ज्यादा आप जिएँ। साइकलॉजिकल साइंस में इस हफ्ते एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है।

मिश्रीगान के अध्ययनकर्ताओं ने अमेरिका की लॉन्ग बेसबॉल के प्रमुख खिलाड़ियों की 230 तस्वीरों का अध्ययन किया और उन्हें उनकी मुस्कान के हिसाब से अलग-अलग ग्रुप में रखा। यह सभी खिलाड़ी 1950 से पहले बेसबॉल खेलते थे।

इन खिलाड़ियों को इनकी मुस्कान के हिसाब से न हँसने वाले, कम हँसने वाले और खुलकर हँसने वालों के ग्रुप में

विभाजित कर दिया गया। यह तस्वीरें 1952 के बेसबॉल रजिस्टर से ली गई थीं। इन सब खिलाड़ियों की सेहत, करियर और जन्म तिथि आदि का भी पूरा ब्यौर लिया गया।

इस अध्ययन में यह पाया गया कि पिछले साल 1 जुन तक मरने वाले खिलाड़ियों में से जो नहीं हँसते थे वो औसतन 72.9 साल जिए जबकि कम हँसने वाले 75 और खुलकर हँसने वाले औसतन 79.9 साल जिए। इस अध्ययन से यह साफ हुआ कि खुलकर हँसने से ज्यादा दिनों तक जिंदा रहने की संभावना बढ़ जाती है। अध्ययनकर्ता कहते हैं कि इस पूरे अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि जो लोग ज्यादा हँसते और खुश रहते हैं वो ज्यादा दिनों तक जिंदा रहते हैं।



## टाइम पास

### आज का राशिफल

**मेष**  
चू से चो ला ली लू ले लो आ  
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विशेषी नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रयत्न में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

**वृष**  
इ उ ए ओ वा वी घू से वो  
शुभ-शुभ: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उसाह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियाँ प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टा प्रबल होगी। शुभांक-2-6-9

**मिथुन**  
का की कू घ ड छ के को हा  
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा दें उसके बाद समय व्ययकरा सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

**कर्क**  
ही हू हे हो डा डी डू डे डो  
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लें। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

**सिंह**  
मा सी मू ने जो ला टी दू दे  
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास करें। शुभांक-4-6-8

**कन्या**  
दो पा पी घू घण उ पे पो  
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रयत्न में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सफलता से संपन्न हो जाएँगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

**तुला**  
रा री रू रे रो ता ती तू ते  
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उसाह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

**धनु**  
ये यो या जी भी मू धा फा डा डे  
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ संझे में किंग जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

**मकर**  
मे जा नी जी खू खे खो गा नी  
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सफलता से संपन्न हो जाएँगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उसाह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

**कुम्भ**  
गू गो गो हा सी खू से लो वा  
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6-8-9

**मीन**  
दी दू ध ज्ञ जे दे दो या ची  
धार्मिक आस्थाएँ फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहायुभूतियाँ होंगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

### काकुरो पहेली - 2016

	15	8							
9									
	17		10		11			16	15
		4			15		4		
				7			13		
		7							
	3			4				20	4
4			3				19		
	18			4			5		3
		11				9			
								17	

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएँ से बाएँ की ओर हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

1	2	3	5
1+2+3+4+5+6=21			
1+2+3+4+5+7=22			
3+5+6+7+8+9=38			
4+5+6+7+8+9=39			

**काकुरो - 2015 का हल**

14	21		13	14	14
8	7	28		7	6
6	5	7		10	1
17	9	8	10	12	1
6	19	9	2	8	26
3	7	2	4	1	3
1	3	13	13	7	8
2	1	4	17	8	9
20	9	8	3	12	9
9	2			12	9

### लॉफिंग जॉन

प्रेमिका : मेरे हॉट गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।  
प्रेमी : हाँ।  
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?  
प्रेमी : हाँ।  
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?  
प्रेमी : हाँ।  
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?  
प्रेमी : हाँ।  
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।  
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?  
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।  
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चॉटा रसीद कर दिया।  
युवक- अब ये क्या था?  
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

### फिल्म वर्ग पहेली - 2016

1	2	3	4	5	6
			7		
	8	9			10
				12	
13					14
				15	16
17	18	19	20		
		21			22
23	24		25	26	
27			28		

**बायें से दायें:-**

- बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे डोलना' गीत वाली फिल्म-3
- 'कहई लूके' गीत वाली अमिताभ, शशिधर की हिट फिल्म-3
- संजय कपूर, तन्वी की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-2
- 'साल के बार महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-2
- ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-3
- 'सोता और गीता' में धर्मेन्द्र के फिल्टर का क्या नाम था?-2
- 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-3
- संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरो' गीत वाली फिल्म-2, 1, 2
- सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-2
- 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-2
- राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, चर्चा को 'पौले पौले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-3
- 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-2, 3
- 'तनहाईयाँ' गीत वाली फिल्म-2
- 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-2, 2
- गोविंदा, रवीना को 'सासुओं थारो लम्बा' गीत वाली फिल्म-3
- 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, श्रिया चोपड़ा की फिल्म-2
- मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3

**ऊपर से नीचे:-**

- 'मैं दुनिया भुला दूँगा' गीत वाली गहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-3
- राजकपूर, नतून की 'रुक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-3
- 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-3
- ऋषि, नीतू सिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-4
- सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावकर की पहली फिल्म-2, 2, 2
- गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-2, 2
- फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-2
- सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-3
- अक्षय, लारा की फिल्म-3
- सुनील, आशा पार्षल की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-2
- 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-2
- कमल सदाना, अश्रया, दिव्या की 'दिल चोर के' गीत वाली फिल्म-2
- 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, बहीदा की फिल्म-3
- जेकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-2
- 'गधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-3
- फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-3
- फिल्म 'ज्वेल थिएटर' में नायक कौन है-2
- टी. वी. धारावाहिक 'संस' की नायिका कौन थीं?-2
- दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-2

**शब्द वर्ग पहेली - 2015**

य	स	ज	र	ह	के	श	ख	स
हू	र	ह	के	श	ख	फ		
दी	र	क	स	क	र			
मि	क	म	त	न	न			
सु	नी	ल	य	हि	न	कि		
ज	व	ही	दा	म्य	वि	स		
न	ल	के	से	न	न	त		
ल	महे	सी	व	ज	या			
श	का	जी	ग	व	या			
का	र	स	र	ची	न	म्य		

### सूडोकू - 2016

2	8	5	1	9	6	7
					8	1
	7	4	6		8	9
3	2			7		8
1	9		4		7	5
6		3		5	1	9
8			3			
7	1	9	2	6	3	4

**सूडोकू - 2015 का हल**

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
8	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	1	4	1	6	8	7

### शब्द पहेली - 2016

1	2	3	4	5	6
			7		
6				8	9
		16			
				18	
					20
21					
		23	24		
25	26				
29					
			30		

**बायें से दाएँ**

- अशांति, उपद्रव-5
- गुंडा, बदमाश-3
- समान-2
- वारंट, निर्माणपत्र-3
- पत्र, पाली-2
- आश्रय-3
- पेंट, पुरस्कार-4
- अनुमान, अंदाज-3
- जो लायक न हो-4
- एक खलनायक-2
- जीव, जीवन-2
- जांचना-परखना-4
- खाबा, स्वप्न-3
- बलशाली-4
- रेखा, पंक्ति-3
- प्यार (अंग्रेजी में)-2
- भाष्य, किस्मत-3
- पैतृग, पारी-2
- डॉट-डपट, चुड़ैकी-3
- तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

**ऊपर से नीचे**

- समानता का विलोम-5
- सीता के पति-2
- रोना, विलाप करना-4
- सोच-विचार-3
- जू का अंडा-2
- चाहने का भाव-2
- भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
- दशानन-3
- मधुशाला-4
- गुजर-बसर-3
- नामांकित-4
- मसविदा, रुप-रेखा-3
- गंवार-3
- मन को भाने वाला-5
- आसन, सीधा-3
- वाशिरा-4

**शब्द पहेली - 2015 का हल**

अ	इ	आ	उ	ए	ओ	का	जा
न	ज	झ	ञ	ट	ड	ण	त
थ	द	ध	न	क	ख	ग	च
प	ब	भ	व	क	ख	ग	ज
द	ध	न	क	ख	ग	च	प
न	ज	र					



## उत्तर रेलवे ने होली पर भीड़ प्रबंधन के लिए उठाए कई कदम, बिना टिकट यात्रियों को नहीं मिलेगा स्टेशनों में प्रवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने होली के त्योहार पर घर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और सुचारु परिचालन के लिए नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और आनंद राजस्थान टर्मिनल सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी प्रतीक्षा कक्ष और नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। बिना टिकट यात्रियों को अब इन स्टेशनों के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। केवल उन्हीं यात्रियों को स्टेशन के अंदर जाने की अनुमति होगी, जिनके पास वैध टिकट होगा। उत्तर रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु शंकर उपाध्याय ने संवाददाता सम्मेलन में होली के दौरान ट्रेन संचालन के बारे में बताया कि दिल्ली-आनंद और दिल्ली-गान्धी मार्गों पर 6 स्टेशनों पर मिनी कंट्रोल रूम स्थापित किए हैं। इनमें नई दिल्ली, दिल्ली, निजामुद्दीन, आनंद विहार, गाजियाबाद और पानीपत स्टेशन शामिल हैं। नई दिल्ली और आनंद विहार में भीड़ बढ़ने पर सूक्ष्म के लिए विशेष होलिडेग परिचा बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों से नियमित आरक्षित और अनारक्षित होली स्पेशल ट्रेनों की योजना बनाई गई है। 9 मार्च तक, दिल्ली मंडल से कुल 14 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। इनमें नई दिल्ली से 5, आनंद विहार से 6, दिल्ली से 2 और दिल्ली सराय रोहिल्ला से 1 ट्रेन चलाई गईं।

## डीएमके ने परिसीमन के मुद्दे पर राज्यसभा से किया वॉकआउट

नई दिल्ली।

दविड़ मुनेत्र कडगम (डीएमके) के सांसदों ने निष्पक्ष परिसीमन करने की मांग और इस पर उपसभापति द्वारा चर्चा की अनुमति देने से इनकार करने के बाद राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद डीएमके के सांसद तिरुचि शिवा, पी विलसन और पार्टी के अन्य सांसदों ने परिसीमन मुद्दे पर संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। डीएमके नेता त्रिची शिवा और पी विलसन ने तमिलनाडु के लिए निष्पक्ष परिसीमन पर चर्चा करने के लिए राज्यसभा के कार्य नियम 267 के तहत एक नोटिस दिया जिसे खारिज कर दिया गया। पी विलसन ने मीडिय से बातचीत में कहा कि निष्पक्ष परिसीमन बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि परिवार नियोजन नीतियों के कारण राज्य में जनसंख्या वृद्धि न्यूनतम रही है। 2026 में लागू होने वाले परिसीमन परिवर्तनों के बारे में राज्य में चिंता बढ़ रही है। डीएमके सांसद तिरुचि शिवा ने केंद्र सरकार से परिसीमन प्रक्रिया का विकल्प तलाशने का आग्रह किया और कहा कि दक्षिणी राज्यों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। तिरुचि शिवा ने कहा, परिसीमन की प्रक्रिया 2026 में पूरी होगी है। संविधान के अनुसार, इसे जनसंख्या के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए। इससे पहले 42वें संशोधन और 84वें संशोधन में इसे 25 साल बाद पूरा करने का फैसला किया गया था, क्योंकि जन्म नियंत्रण की प्रगति को ध्यान में रखा होगा।

## गुजरात के बोडेली में 5 वर्षीय बालिका की नरबलि से सनसनी, आरोपित गिरफ्तार

छोटा उदेपुर।

जिले की बोडेली तहसील के पाणेज गांव में एक कथित तांत्रिक पर 5 वर्षीय बालिका की नरबलि देने का आरोप लगा है। कथित तांत्रिक ने दिग्दर्शक कइ लोगों के सामने हाथ में कुल्हाड़ी लेकर बालिका को खींच कर अंदर ले गया और घर के अंदर बालिका का सिर कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी फिर उसका खून मंदिर की सीढ़ियों पर चढ़ा दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार जिले के पाणेज गांव में सोमवार सुबह सीता (5) नामक बच्ची घर के बाहर खेल रही थीं। सीता की माता और भाई बाहर कपड़ धो रहे थे। इस दौरान पड़ोस में रहने वाली कथित तांत्रिक लालो आया और वह बालिका को जबरदस्ती पकड़कर अपने घर में खींच कर ले गया। इसी बीच बच्चों ने जोर-जोर से रोना शुरू कर दिया। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर उसकी मां भी दौड़ी आईं। माता ने भी शोर कर आसपास के लोगों को इकट्ठा कर लिया, लेकिन कथित तांत्रिक के हाथ में कुल्हाड़ी देखकर सभी डरे-सहमे खड़े रह गए और किसी ने बालिका को बचाने की कोशिश नहीं की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपित बच्चों को खींचकर अपने घर ले गया और बालिका के गले पर कुल्हाड़ी से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद आरोपित ने मंदिर की सीढ़ियों पर उसका खून चढ़ा दिया।

## कलकत्ता हाईकोर्ट में बंगाल चुनावों में विदेशी नागरिकों की उम्मीदवारी पर याचिका

कोलकाता।

परिचम बंगाल में विदेशी नागरिकों के चुनावों में उम्मीदवार बनने का मामला अदालत पहुंच गया है। इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। याचिका में विदेशी नागरिकों के चुनावों में उम्मीदवार बनने के खतरों के बारे में बताया गया है। इस मामले के हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच 13 मार्च को सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम और न्यायमूर्ति चैतानी चट्टोपाध्याय की खंडपीठ इस याचिका की सुनवाई करेगी। पीआईएल मांगिक फकीर ने दायर की है। इस याचिका में विदेशी मंत्रालय, भारत के चुनाव आयोग और परिचम बंगाल राज्य चुनाव आयोग को बचाने का आदेश दिया गया है। हाईकोर्ट सूत्रों के अनुसार, यह मामला 13 मार्च को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए आएगा।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने किया मद्र के 9वें नेशनल टाइगर रिजर्व का शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार शाम को शिवपुरी जिले में नवनिर्मित माधव टाइगर रिजर्व का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने पुनर्स्थापन प्रक्रिया से यहां लाई गई एक बाघिन को टाइगर रिजर्व क्षेत्र के मुक्त आवास में छोड़ा। यह मध्य प्रदेश का 9वां और देश का 58वां नेशनल टाइगर रिजर्व है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन चंबल क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। माधव टाइगर रिजर्व में बाघों का पुनर्स्थापन हो रहा है। वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से राज्य को 9वें नेशनल टाइगर रिजर्व की अभूतपूर्व

सोगात मिली है। उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना।



मुख्यमंत्री ने टाइगर रिजर्व के प्रतीक चिन्ह (लोगो) के विमोचन के साथ बाउंड्री वॉल का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार चंबल क्षेत्र में वन्य जीव पर्यटन को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

प्रदेश में वन संपदा है और वन्य जीव बड़ी संख्या में हैं। चंबल क्षेत्र के कूनों में चीता, चंबल नदी में

घड़ियाल और अब माधव नेशनल पार्क में बाघ पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे। चंबल में वन्य जीव और मनुष्य मिलकर सह-अस्तित्व के भाव से अपनी-अपनी जंजीरी जी रहे हैं। यह अद्भुत नजारा केवल चंबल में देखने को मिलता है।

राज्य सरकार के प्रयासों से यहां पर्यटन बढ़ेगा, रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी और ग्लॉबल-चंबल क्षेत्र के लिए विकास के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और विश्व में सबसे ज्यादा टाइगर मध्य प्रदेश की भूमि पर पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त है। बाघों के विचरण के लिए सिर्फ चंबल क्षेत्र ही शेष था। यह कमी भी आज पूरी हो गई है। स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर इस बाघ आरक्षित क्षेत्र का लोकार्पण राज्य के समग्र विकास के लिए बड़े कदम हैं। उन्होंने प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को मामले में अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि माधव टाइगर रिजर्व नया इतिहास लिखेगा। यह क्षेत्र अब बाघों के पुनर्वास से अपनी नई पहचान बनाएगा।

## प्रधानमंत्री ने सीआईएसएफ कर्मियों को स्थापना दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सभी कर्मियों को स्थापना दिवस पर बधाई दी। मोदी ने कहा कि सीआईएसएफ बल को उसकी व्यावसायिकता, समर्पण और साहस के लिए सराहा जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे आवश्यक बुनियादी ढांचे की रक्षा करके और हर दिन अनगिनत लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करके हमारी सुरक्षा

प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता वास्तव में सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने सीआईएसएफ कर्मियों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि सीआईएसएफ कर्मियों को उसकी व्यावसायिकता, समर्पण और साहस के लिए सराहा जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे आवश्यक बुनियादी ढांचे की रक्षा करके और हर दिन अनगिनत लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करके हमारी सुरक्षा

पोस्ट किया, सीआईएसएफ के सभी कर्मियों को स्थापना दिवस की बधाई। इस बल को उसकी व्यावसायिकता, समर्पण और साहस के लिए सराहा जाता है। वे आवश्यक बुनियादी ढांचे की रक्षा करके और हर दिन अनगिनत लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करके हमारी सुरक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता वास्तव में सराहनीय है।

# युवा पीढ़ी को बदलती वैश्विक मांगों के अनुरूप तैयार करना उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए चुनौतीपूर्ण: द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी

हिसार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि युवा पीढ़ी को बदलती वैश्विक मांगों के लिए तैयार करना उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य है। देश के संतुलित एवं सतत विकास के लिए यह भी आवश्यक है कि शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी का लाभ गांवों तक पहुंचे। इस संदर्भ में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार पर जनस्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री रणबीर सिंह गंगवा भी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई के नेतृत्व में किया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकारी



मुर्मू गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रही थीं। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने की। इस अवसर पर

संस्था में विद्यार्थी आते हैं। उन्होंने उन विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे

अपने गांव एवं शहर के लोगों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराएं तथा उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। गुरु जम्भेश्वर जी महाराज को किया यादराष्ट्रपति ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी, जिनके सम्मान में इस विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है, एक महान संत और दार्शनिक थे। वे वैज्ञानिक सोच, नैतिक जीवन शैली और पर्यावरण संरक्षण के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना था कि प्रकृति की रक्षा करना, सभी जीवों के

प्रति दया और करुणा रखना तथा उन्हें संरक्षण प्रदान करना मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। आज जब हम पर्यावरण संबंधी समस्याओं का समाधान खोजने का प्रयास कर रहे हैं, तो गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाएं बहुत प्रासंगिक हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी गुरु जम्भेश्वर जी के दिखाए-मांगों पर चलते हुए समाज और देश की प्रगति में अपना योगदान देते रहेंगे।

गुरु जम्भेश्वर जी महाराज को किया यादराष्ट्रपति ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी, जिनके सम्मान में इस विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है, एक महान संत और दार्शनिक थे। वे वैज्ञानिक सोच, नैतिक जीवन शैली और पर्यावरण संरक्षण के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना था कि प्रकृति की रक्षा करना, सभी जीवों के

## पीथमपुर में यूनियन कॉर्बाइड के अपशिष्ट दहन का तृतीय ट्रायल रन प्रारंभ

एजेंसी

इंदौर। भोपाल गैस त्रासदी के बाद भोपाल की यूनियन कॉर्बाइड में 40 साल डम्प पड़े जहरीले कचरे का निष्पादन पीथमपुर में किया जा रहा है। मप्र उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार यूनियन कॉर्बाइड के अपशिष्ट (रासायनिक कचरे) के दहन का तृतीय ट्रायल रन सोमवार देर शाम शुरू हो गया है।

इंदौर सभागायुक्त दीपक सिंह ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में यूनियन कॉर्बाइड के अपशिष्ट के तृतीय ट्रायल रन का ब्लैक रन प्रातः 07:41 बजे से प्रारंभ किया गया और करीब 12 घण्टे ब्लैक रन किया। इसके बाद प्रातः 07:41 बजे से 270 किलोग्राम प्रति घण्टे की दर से

मानिट्रिंग ऑनलाईन कन्टीन्यूअस इमीशन मानिट्रिंग सिस्टम से की जा रही है, जो निश्चित मानकों के भीतर

यूनियन कॉर्बाइड के अपशिष्ट की फॉइड इन्सीनरेशन में प्रारंभ की गई। 270 किलोग्राम प्रति घण्टे की दर से मानिट्रिंग ऑनलाईन कन्टीन्यूअस इमीशन मानिट्रिंग सिस्टम से की जा रही है, जो निश्चित मानकों के भीतर

यूनियन कॉर्बाइड के रासायनिक कचरे को नष्ट किया जा रहा है। इससे पूर्व पहला ट्रायल रन 28 फरवरी से तीन मार्च तक हुआ था, जिसमें 10 टन कचरा जलाया गया था। इसके बाद छह से नौ मार्च तक दूसरे ट्रायल रन में भी 10 टन जहरीले कचरे का दहन किया गया।

अब तीसरा ट्रायल रन शुरू किया गया है। यह ट्रायल रन 12 मार्च तक चलेगा। इसके बाद तीनों ट्रायल रन की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी। कचरा जलाने के साथ ही चिमनी से निकलने वाले धुंए व कण की निगरानी व मानिट्रिंग मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 20 अधिकारी-कर्मचारी कर रहे हैं।

## महिलाएं लखपति दीदी और झोन दीदी बनकर हो रही आत्मनिर्भर : निम्बुबेन बांभणिया

भावनगर।

केंद्रीय राज्य मंत्री निम्बुबेन बांभणिया ने कहा कि महिलाएं लखपति दीदी और झोन दीदी बनकर आत्मनिर्भर हो रही हैं। वह विभिन्न क्षेत्रों में काफी प्रगत कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं की सहायना करते हुए सभी से मेले का अधिकतम लाभ उठाने का अनुरोध किया। वह भावनगर के जवाहर मैदान में नौ से 12 मार्च तक आयोजित नमो सखी संगम मेला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि नमो सखी संगम मेला को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। पहले दिन शाम 6 से 10 बजे तक मैदान में कदम रखने की जगह नहीं थी। करीब 10,500 से अधिक लोगों ने मेले का दौरा किया और शुद्ध स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी की।

इस दौरान सत्र में मोटिवेशनल स्पीकर जय वसावड़ा ने स्त्री शक्ति, मुक्ति और प्रगति विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। ईरमा आनंद के प्रोफेसर डॉ. राजेश जैन ने ग्रामीण उद्यमिता पर वक्तव्य दिया। दोपहर के सत्र में मोटिवेशनल स्पीकर नेहलबेन मडवेली ने स्त्री सशक्तिकरण पर सेमिनार आयोजित किया। डॉ. रजनीबेन परिख ने महिला स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, आयुर्वेद और प्राकृतिक उपचार पर उपयोगी जानकारी दी। इसके साथ ही डॉ. पूजाबेन सापोवडिया और डॉ. राजभाई रोडिया ने भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा कीं। इस अवसर पर लखपति की उर्मिला जाडेजा ने अपनी सफलता की कहानी प्रस्तुत की।

उल्लेखनीय है कि नमो सखी संगम मेला का उद्घाटन नौ मार्च को केंद्रीय राज्य मंत्री निम्बुबेन बांभणिया की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान मेयर भरतभाई बारड, जिला विकास अधिकारी हनुल चौधरी, जिला ग्राम विकास एजेंसी के निदेशक जयश्रीबेन जहू सहित अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्य मंत्री निम्बुबेन बांभणिया ने कहा कि महिलाएं लखपति दीदी और झोन दीदी बनकर आत्मनिर्भर हो रही हैं। वह विभिन्न क्षेत्रों में काफी प्रगत कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं की सहायना करते हुए सभी से मेले का अधिकतम लाभ उठाने का अनुरोध किया। वह भावनगर के जवाहर मैदान में नौ से 12 मार्च तक आयोजित नमो सखी संगम मेला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि नमो सखी संगम मेला को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। पहले दिन शाम 6 से 10 बजे तक मैदान में कदम रखने की जगह नहीं थी। करीब 10,500 से अधिक लोगों ने मेले का दौरा किया और शुद्ध स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी की।

इस दौरान सत्र में मोटिवेशनल स्पीकर जय वसावड़ा ने स्त्री शक्ति, मुक्ति और प्रगति विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। ईरमा आनंद के प्रोफेसर डॉ. राजेश जैन ने ग्रामीण उद्यमिता पर वक्तव्य दिया। दोपहर के सत्र में मोटिवेशनल स्पीकर नेहलबेन मडवेली ने स्त्री सशक्तिकरण पर सेमिनार आयोजित किया। डॉ. रजनीबेन परिख ने महिला स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, आयुर्वेद और प्राकृतिक उपचार पर उपयोगी जानकारी दी। इसके साथ ही डॉ. पूजाबेन सापोवडिया और डॉ. राजभाई रोडिया ने भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा कीं। इस अवसर पर लखपति की उर्मिला जाडेजा ने अपनी सफलता की कहानी प्रस्तुत की।

उल्लेखनीय है कि नमो सखी संगम मेला का उद्घाटन नौ मार्च को केंद्रीय राज्य मंत्री निम्बुबेन बांभणिया की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान मेयर भरतभाई बारड, जिला विकास अधिकारी हनुल चौधरी, जिला ग्राम विकास एजेंसी के निदेशक जयश्रीबेन जहू सहित अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

## काशी विश्वनाथ धाम में निकली महादेव एवं माता गौरा की रजत पालकी यात्रा, फूलों की वर्षा

एजेंसी

वााराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रंगभरी एकादशी के अवसर पर महादेव एवं माता गौरा की रजत पालकी यात्रा भूमधाम से धाम परिसर में निकाली गई। इस भव्य आध्यात्मिक यात्रा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। धाम में बाबा विश्वनाथ के गौना उत्सव में मंदिर परिसर में अपूर्व उत्साह और भक्ति का माहौल दिखा। श्रद्धालुओं ने परम्परा के निर्वहन में मंदिर न्यास का सहयोग कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोभूिल बेला में, जब सूर्य की किरणें मंद हो रही थी, तब मंदिर चौक से डमरू की गुंज, शंख ध्वनि और शास्त्री अर्चन के साथ रजत पालकी पर श्री काशी विश्वनाथ एवं माता गौरा की चल रजत प्रतिमाएं भव्य तरीके से पालकी पर सवार कराई गईं। श्रद्धालुओं ने परंपरा को अग्रिम परिधान धारण कर, पालकी को कंधे पर उठकर गानभेदी हर इर महादेव और बम बम भोले के जयकारों के साथ रजत पालकी को मंदिर प्रांगण में भ्रमण कराया। इस दौरान श्रद्धालुओं में पालकी को स्पर्श करने की होंड़ लगी रही, और श्रद्धालु इस अद्भुत क्षण को अपने हृदय में संजोने के लिए आतुर था। फूलों की

वर्षा, अबीर-गुलाल की बौछारों में काशी विश्वनाथ और माता गौरा की आभा ने पूरे मंदिर परिसर को अद्वितीय रूप से आलोकित कर दिया।

मंदिर के गर्भगृह में रजत प्रतिमाओं का पूजन यात्रा के बाद, रजत पालकी के साथ महादेव और माता गौरा की प्रतिमाओं को मंदिर के स्वर्णिम गर्भगृह में विधिपूर्वक स्थापित किया गया।

सांस्कृतिक संध्या और भक्ति संगीत रंगभरी एकादशी के त्रिदिवसीय उत्सव के अंतिम दिन, मंदिर चौक पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सायंकाल गाय में भजन सरिता बही, जिसमें भक्तों ने महादेव और माता गौरा से जुड़े भक्ति गीतों पर नृत्य किया और भजन सुनकर अपनी भक्ति को और गहरा किया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि, शहर दक्षिणी के विधायक और पूर्व मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कलाकारों ने महादेव और माता गौरा की महिमा पर आधारित भजन प्रस्तुत किए, जिससे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। भजन प्रस्तुतियों की लहर देर रात तक जारी रही, और उत्सव का माहौल हर दिन में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता रहा। देर शाम तक कलाकारों की प्रस्तुतियां जारी रही।

भक्तगण ने फूलों की पंखुड़ियां और अबीर-गुलाल अर्पित कर रंगोत्सव की खुशियों मनाई। श्रद्धालु पूर्ण भक्ति और उमंग के साथ अपने आराध्य के प्रति अनुगम दिखाते रहे। मंदिर न्यास की ओर से सभी श्रद्धालुओं का आभार और स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक संध्या और भक्ति संगीत

रंगभरी एकादशी के त्रिदिवसीय उत्सव के अंतिम दिन, मंदिर चौक पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सायंकाल गाय में भजन सरिता बही, जिसमें भक्तों ने महादेव और माता गौरा से जुड़े भक्ति गीतों पर नृत्य किया और भजन सुनकर अपनी भक्ति को और गहरा किया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि, शहर दक्षिणी के विधायक और पूर्व मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कलाकारों ने महादेव और माता गौरा की महिमा पर आधारित भजन प्रस्तुत किए, जिससे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। भजन प्रस्तुतियों की लहर देर रात तक जारी रही, और उत्सव का माहौल हर दिन में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता रहा। देर शाम तक कलाकारों की प्रस्तुतियां जारी रही।

एजेंसी उज्जैन। अयोध्या में पुरातात्विक विभाग की खुदाई में स्पष्ट रूप से मस्जिद के नीचे मंदिर की उपस्थिति के प्रमाण प्राप्त हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत करने वाले भारतीय पुरातत्वविद् के.के. मोहम्मद पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल, कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में मीडिया से संवाद कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मंदिर और वाणगसी में मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। ऐसे में मथुरा और वाराणसी की मस्जिदें हिंदुओं को सौंप देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि यह हो गया तो हिन्दू नरम पड़ेगे और अफगानिस्तान एवं सीरिया की तरह गृह युद्ध से बच जाएगा अन्यथा देश गृह युद्ध की आग में फंस जाएगा। अपनी बेबाक शैली में मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए के.के. मोहम्मद ने कहा कि 12वीं शताब्दी में निर्मित श्रीराम मंदिर के अनेकों पिलर्स मस्जिद के नीचे पाए जाने के बाद अयोध्या का मामला सबूत के साथ न्यायालय में रखा गया तो न्यायालय ने हिन्दू भावना के हक में फैसला दिया और मस्जिद के लिए पांच गुना जमीन दूसरी जगह दे दी गई। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार

मुस्लिमों को समझ लेना चाहिए कि मथुरा और वाराणसी में जो मस्जिद हैं, वे हिंदू मंदिरों को तोड़कर बनाई गई थी। उसके सबूत भी एकत्रित हो गए हैं। मैंने स्वयं पुरातत्वविद् के नाते



अंदर जाकर देखा है। ऐसे में मुस्लिमों को चाहिए कि वे ये दोनों मस्जिद हिंदुओं को सौंप दें। हिंदू बचन इतना ध्यान रखें कि इन दोनों मस्जिदों को लेने के बाद और मांग करना बंद कर दें। मुस्लिम यह मान लें कि जो गलतियां हो गई थीं, उसका अहसास है और बदले में मथुरा तथा वाराणसी की दो मस्जिदें हिंदुओं को सौंप दी गई हैं। वहीं, हिंदू भी यह मान लें कि अब मामला समाप्त हो गया है। यदि यह हो गया तो ठीक, वरना देश में गृह युद्ध होने से कोई नहीं रोक सकेगा। के.के. मोहम्मद ने कहा कि

मैं अकेला मुस्लिम हूँ, जिसने मस्जिदों के नीचे जाकर हिंदू मंदिरों के अवशेष देखे। औरंगजेब के समय लिखी गई पुस्तक में भी स्पष्ट लिखा हुआ है कि मंदिरों को तोड़ा गया और

उसी सामग्री से मस्जिदों का निर्माण किया गया। मुस्लिमों में भी ऐसे लोग हैं जो यह मानते हैं कि उस समय गलतियां हुईं। लेकिन इन गलतियों को सुधारने के लिए जब समय आया है तो सभी मुस्लिमों को एकमत होना होगा। उन्होंने कहा कि इस देश में सदियों से हिंदू और मुसलमान साथ में रहते आ रहे हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ होता तो भारत कभी का अफगानिस्तान या सीरिया बन गया होता। मुस्लिम होने के नाते यह मेरा व्यक्तिगत बयान है कि हमें भविष्य में गृह युद्ध की ओर नहीं जाना चाहिए।

# भूपेशा बघेल बोले- 33 लाख रुपये, मंत्राराम केस पेनड्राइव और कुछ दर्स्तावेज ले गई ईडी की टीम

एजेंसी

दुरा/रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल के भिलाई के पदमनगर स्थित घर पर चार गाड़ियों में पहुंची ईडी ने छापेमारी की। यह जांच करीब 11 घंटे तक चली। टीम के जाने के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि 33 लाख रुपये और दर्स्तावेज ईडी की टीम ले गई है। इसमें मंत्राराम केस की पेनड्राइव भी है। भूपेश ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बोलखला गई है और बोलखलाहट में ईडी भेजी है। जबनर कार्रवाई की जा रही है। यह सब एक षडयंत्र का नतीजा है। भिलाई में ईडी की जांच के बीच 11 घंटे की पूछताछ के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल घर से बाहर निकले और कांग्रेसी नेताओं व समर्थकों से मुलाकात की। इस

दौरान कार्यकर्ता भूपेश बघेल जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। दोपहर



के वक्त आज ईडी की टीम ने घर के भीतर नोट गिनने वाली मशीन मंगाई थी। करीब एक घंटे के बाद नोट गिनने वाली मशीन को वापस भेज दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि दबाव में आकर ईडी ने ये कार्रवाई की है, जिस केस

में कोर्ट ने उनको बरी कर दिया है उसी को लेकर ये लोग बोलखलाए हुए हैं। हमें फंसाने की कोशिश साजिश कर रहे हैं। भूपेश ने भाजपा आरोप लगाते हुए कहा कि उनको जबनर ट्रेप किया जा रहा है, परेशान भेज दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बोलखला गई है और बोलखलाहट में ईडी भेजी है। हमें फंसाने की कोशिश साजिश कर रहे हैं। भूपेश ने भाजपा आरोप लगाते हुए कहा कि उनको जबनर ट्रेप किया जा रहा है, परेशान भेज दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि दबाव में आकर ईडी ने ये कार्रवाई की है, जिस केस

में कोर्ट ने उनको बरी कर दिया है उसी को लेकर ये लोग बोलखलाए हुए हैं। हमें फंसाने की कोशिश साजिश कर रहे हैं। भूपेश ने भाजपा आरोप लगाते हुए कहा कि उनको जबनर ट्रेप किया जा रहा है, परेशान भेज दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि दबाव में आकर ईडी ने ये कार्रवाई की है, जिस केस

में कोर्ट ने उनको बरी कर दिया है उसी को लेकर ये लोग बोलखलाए हुए हैं। हमें फंसाने की कोशिश साजिश कर रहे हैं। भूपेश ने भाजपा आरोप लगाते हुए कहा कि उनको जबनर ट्रेप किया जा रहा है, परेशान भेज दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि दबाव में आकर ईडी ने ये कार्रवाई की है, जिस केस

में कोर्ट ने उनको बरी कर दिया है उसी को लेकर ये लोग बोलखलाए हुए हैं। हमें फंसाने की कोशिश साजिश कर रहे हैं। भूपेश ने भाजपा आरोप लगाते हुए कहा कि उनको जबनर ट्रेप किया जा रहा है, परेशान भेज दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि दबाव में आकर ईडी ने ये कार्रवाई की है, जिस केस

में कोर्ट ने उनको बरी कर दिया है उसी को लेकर ये लोग बोलखलाए हुए हैं। हमें फंसाने की कोशिश साजिश कर रहे हैं। भूपेश ने भाजपा आरोप लगाते हुए कहा कि उनको जबनर ट्रेप किया जा रहा है, परेशान भेज दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि दबाव में आकर ईडी ने ये कार्रवाई की है, जिस केस

## बेटा-बेटियों में भेदभाव मिटाकर बच्चियों को शिक्षित करने की है सभी की जिम्मेदारी: राज्यपाल

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि बेटा-बेटों में भेदभाव मिटाने, बच्चियों को शिक्षित करने और उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जिम्मेदारी सभी की है। विशेष रूप से आंगनवाड़ी केंद्रों की सुपरवाइजर, सीडीपीओ और कार्यकर्त्रियों से यह अपेक्षा है कि वे बच्चियों के स्वास्थ्य परीक्षण, खेल, योग और अन्य गतिविधियों पर ध्यान दें। स्कूलों में हेल्थ कैंप आयोजित किए जाएं। आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को पोष्टिक आहार दिया जाए, ताकि कुपोषण से बच्चों का बचाव हो सके।

शुरुआत की। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि परिवार को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं को मजबूत होना चाहिए। महिलाएं अपनी बीमारियों को छिपाने के बजाय समय रहते उपचार कराएं। दिव्यांग साथी पोर्टल दिव्यांगजनों को सुविधाएं प्रदान करेगा। उन्होंने इस दौरान

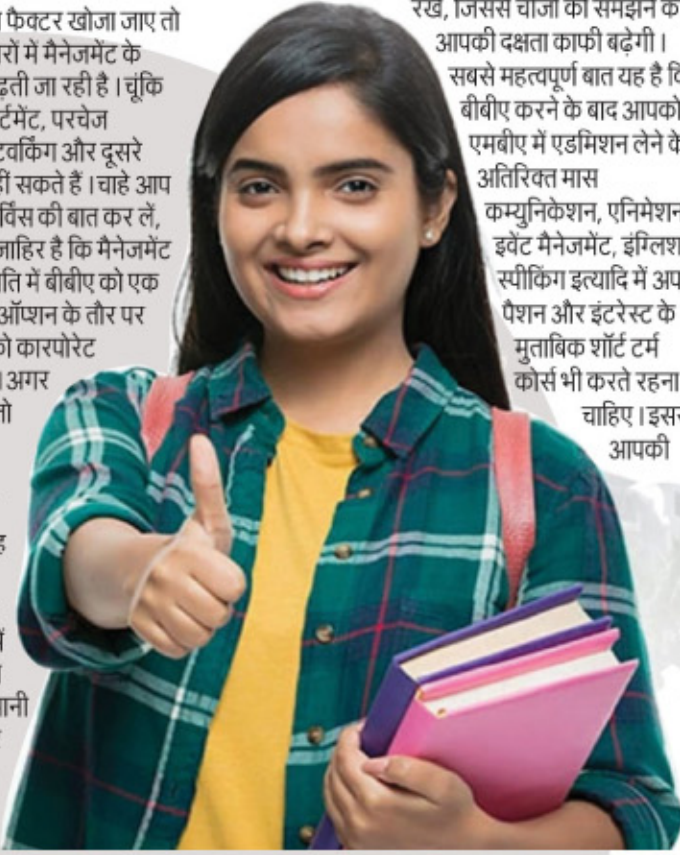


# बीबीए के बाद क्या है करियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढ़ती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट करियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लौडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो करियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैडिडेट्स को एमआईएस अर्थात् मैनेजमेंट इनफॉर्मेशन सिस्टम का सॉफ्टवेयर कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते हैं। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है,

जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो। मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरवजन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी



**मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।**

दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस विलयन होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं। ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालांकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आषान देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मेट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एजीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैनुफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गनाइजेशन में काम करके अपने कैरियर को सेंप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सों को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कैरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एटर्नोरोशिय में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाय चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने डांडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवर्टाइजिंग, बैंकिंग, कंसल्टेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एटर्नमेंट, आईटी, इश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैनुफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।



# इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

**ब्यूटी ब्लॉगर**  
अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियो के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

**हेयर स्टाइलिस्ट**  
कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयर स्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयर स्टाइलिस्ट आप एक्टर, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

**नेल टेक्नीशियन**  
पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का फ्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक फैशन के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्या या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्ट्री में करियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह करियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना करियर सवारे। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो विलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

**मेकअप आर्टिस्ट**  
इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

# इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्यल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

**आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?**  
यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

**अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?**  
यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसी होती है। पर्सनैलिटी जानने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

**वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?**  
किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

**आपका रोल मॉडल कौन है?**  
यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्सनैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

**आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?**  
व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से

जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।



**एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य करना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।**



एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। करियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएं, ट्रेडिशनल कोर्स का अपना स्वेग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी

**एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन**

किया जाता है, कंपनी के सभालने-रिजस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मेटेरियल अवैलेबल है, किंतु आप अपने दूसरे प्रेड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम रिप्रेजेंट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

**गुप स्टडी**  
यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वही जब आप गुप स्टडी करते हैं, तो कई पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा गुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी गुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को एड कर लेता है।

दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल करियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक है और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं। मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कोसेट विलयन रहेगा और आप एक सफल करियर और मोटी तनखाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

**लक्ष्य विलयन रखें**

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से विलयन हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही विलयन नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिनगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने करियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य विलयन रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो

तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

**बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें**  
शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेड्स करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से

## एशियन चैंपियंस लीग: अल नास ने एस्टेगलाल को 3-0 से हराकर कार्टरफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। रियाद के अल अक्वल स्टेडियम में खेले गए एशियन चैंपियंस लीग के एलीट राउंड ऑफ 16 के दूसरे चरण में अल नास ने एस्टेगलाल को 3-0 से हराकर कार्टरफाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले में टीम के नए खिलाड़ी जॉन डुरान ने दो गोल किए, जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी के जरिए स्कोर किया। पहले चरण के गोलरहित ड्रा के बाद, सऊदी प्रो लीग क्लब ने कुल 3-0 के एग्रीगेट स्कोर से कार्टरफाइनल में जगह बनाई। अल नास ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और जॉन डुरान, रोनाल्डो और सादिया माने की तिकड़ी ने शुरूआती गोल के लिए दबाव बनाया। पहला गोल एस्टेगलाल के गोलकीपर होसेन होसेनी की गलती से आया, जब उनका गलत पास सीधे डुरान के पास पहुंच गया। डुरान ने डिफेंडर को पछड़ते हुए शानदार चिप शॉट से गेंद को नेट में डाल दिया। 30वें मिनट से पहले ही अल नास ने अपनी बढ़त को दोगुना कर लिया। रोनाल्डो ने एस्टेगलाल के बॉक्स में एक भटकते हुए पास का पीछा किया और बैकहील पास से गेंद माने के लिए सेंट की, जिन्हें डिफेंडर ने गिरा दिया। कप्तान रोनाल्डो ने पेनल्टी को धैर्यका स्ट्राइक में नेट के बीचोंबीच डालते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

## राष्ट्रमंडल खेल महासंघ ने बदला नाम, अब 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' के रूप में पहचाना जाएगा

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (कॉमनवेल्थ गैम्स फेडरेशन- सीजीएफ) ने अपने नाम में बदलाव करते हुए इसे 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' करने की घोषणा की। यह बदलाव संगठन को एक खेल महासंघ से एक खेल आंदोलन में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह घोषणा राष्ट्रमंडल दिवस (10 मार्च) के अवसर पर की गई। महासंघ की ओर से जारी प्रेस विज्ञापन में कहा गया, राष्ट्रमंडल दिवस 2025 से, राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के रूप में जाना जाएगा। यह नया नाम संगठन के खेल महासंघ से एक खेल आंदोलन बनने के सफर को दर्शाता है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) केटी सीडलर ने कहा, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट नाम हमारे उद्देश्य को और मजबूत और एकीकृत तरीके से प्रस्तुत करता है, जिससे हमारी पहचान अधिक प्रभावशाली और व्यापक होगी। हालांकि, कानूनी तौर पर संगठन का नाम 'कॉमनवेल्थ गैम्स फेडरेशन' बना रहेगा। इस बीच, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के संरक्षक किंग चार्ल्स ने बकिंगहम पैलेस में ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट किंग्स बैटन रिले' का आधिकारिक शुभारंभ किया।

## स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025: मृत्यु उद्घाटन समारोह में भारत की शानदार उपस्थिति

ट्यूरिन (इटली)। स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025 का शुभारंभ 08 मार्च की रात इटली के ट्यूरिन में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। द स्टूडेंट्स ऑफ कार्डिफनेस (दया की शक्ति) थीम पर आधारित इस समारोह में सांस्कृतिक और संगीतमय प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद परंपरागत रूप से एथलीटों और कोचों की मार्चपास्ट हुई, जिसमें विभिन्न देशों के खिलाड़ी पूरे जोश के साथ शामिल हुए। भारत के 49 सदस्यीय दल, जिसमें 30 एथलीट और 19 सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं, ने भी इस रंगारंग समारोह में भाग लिया। भारतीय दल का नेतृत्व स्पेशल ओलंपिक्स भारत की एथलीट शिवांजली ने किया, जो फ्लेमिंग ऑफ होप के साथ अग्रसर हुईं। भारतीय खिलाड़ी तिरंगा ध्वज के साथ पूरे उत्साह के साथ मार्च करते नजर आए। उनके चेहरे पर गर्व और आत्मविश्वास की झलक साफ देखी जा सकती थी। उद्घाटन समारोह में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रेमी-नामांकित गायक एलेो ब्लैक ने अपने प्रसिद्ध गीतों से समारोह में जोश भर दिया, जबकि इतालवी गायक और रेपर मिस्टर रेन ने अपनी लोकप्रिय प्रस्तुति सुपरएरॉ (सुपरहीरो) गानक दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

## खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025: सिद्धार्थ गाडेकर और तेजजिन डोलमा बने दूसरे दिन के सितारे, सेना का दबदबा बरकरार

गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर)। खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 के दूसरे चरण के दूसरे दिन महाराष्ट्र के सिद्धार्थ गाडेकर और हिमाचल प्रदेश की तेजजिन डोलमा ने अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं। कागडूरी की बर्फीली ढलानों पर जबरदस्त बर्फबारी के बीच प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें खिलाड़ियों की सहभागिता और मानसिक मजबूती की असली परीक्षा देखने को मिली। पिछले संस्करण की चैंपियन भारतीय सेना ने अपनी दमदार मौजूदगी कायम रखते हुए चार और पदक अपने नाम किए, जिसमें 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य शामिल हैं। सेना अब तक 4 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 13 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। लड़ाख की टीम दूसरे स्थान पर है, हालांकि वे दूसरे चरण में कोई पदक नहीं जीत सके। तीसरे स्थान पर महाराष्ट्र है, जिसमें 3 स्वर्ण, 5 रजत और 4 कांस्य पदक जीते हैं।

# मुम्बई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को नौ रनों से हराया

एजेंसी

मुम्बई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (54) और नेट सायबर ब्रंट (38) की पारियों के बाद एमेलिया केर (तीन विकेट), हेली मैथ्यून और शबनिम इस्माइल (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल के 19वें मुकाबले में गुजरात जायंट्स को नौ रनों से हरा दिया। मुंबई की गुजरात पर यह लगातार छठी जीत है। 180 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात जायंट्स ने शुरूआत बेहद खराब रही और उसने 54 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये। बेथ मूनी (सात), काशवी गौतम (10), एलेगी गार्डनर (शून्य) और हरलीन देओल (24) रन बनाकर आउट हुईं। 11वें ओवर में इस्माइल ने फीबी लिचफील्ड (22)

को बोल्ट आउट किया। 14वें ओवर में एमेलिया केर ने डिड्डा ड्रॉटन (10) को बोल्ट आउट किया।



17वें ओवर में एमेलिया केर ने भारतीय फूलमाली को आउटकर गुजरात को बड़ा झटका दिया। भारतीय फूलमाली ने 25 गेंदों में आठ चौके और चार छक्के लगाते हुए (61)

रनों की आतिशी पारी खेली। 20 ओवर में हेली मैथ्यून ने तनुजा कंवर (10) को रनआउट करने के बाद

20 ओवरों में नौ विकेट पर 170 रन ही बना सकी और नौ रनों से मुकाबला हार गई। मुम्बई इंडियंस की ओर से एमेलिया केर को तीन विकेट मिले। शबनिम इस्माइल और हेली मैथ्यून ने दो-दो विकेट लिये। संस्कृति गुप्ता ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां गुजरात जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने एमेलिया केर (पांच) का विकेट गवां दिया। इसके बाद सातवें ओवर में प्रिया मिश्रा ने हेली मैथ्यून (27) को आउट कर मुम्बई को दूसरा झटका दिया। इसके बाद हरमनप्रीत कौर ने नेट सायबर ब्रंट के साथ पारी को संभाला।

## महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में हरियाणा और झारखंड की होगी भिड़त

एजेंसी

पंचकुला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के खेले गये सेमीफाइनल मुकाबलों में हरियाणा और झारखंड दोनों ने अपनी-अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों को हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है।

डिबीजन 'ए' के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में हरियाणा ने मिजोरम को 4-0 से हराया। हरियाणा की ओर से सोनम ने (41वें), मोनिका ने (42वें), मनीषा ने (47वें) और कप्तान रानी ने (57) मिनट में मिजोरम खिलाफ एक-एक गोलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

डिबीजन 'ए' के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबला निहारिया ने महाराष्ट्र और झारखंड दोनों ने अंतिम सीटी बजने पर गोल रहित समाप्त हुआ। इसके बाद मैच शूट-आउट पर चला गया और झारखंड ने

करीबी शूट आउट मुकाबले में महाराष्ट्र को 3-2 से हराया। काजल



सदाशिव अटपडकर और प्रीति ने हॉकी महाराष्ट्र के लिए गोल किए, जबकि रजनी केरकेड्रा, कप्तान अलबेला रानी टोपा और शमी बारा ने हॉकी झारखंड के लिए गोल करके

हॉकी हरियाणा के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल

मुकाबला बुधवार को हरियाणा और झारखंड के बीच खेला जाएगा। वहीं तीसरा और चौथा स्थान के लिए मिजोरम बनाम महाराष्ट्र के बीच होगा।

## 20वीं नेशनल यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप का हुआ मृत्यु शुभारम्भ

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में 20वीं नेशनल यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का भव्य शुभारम्भ हुआ। बिहार में पहली बार 10 से 12 मार्च तक पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकडबाग में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। देश के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 500 से ज्यादा खिलाड़ी और प्रशिक्षक इसमें शामिल हुए हैं।

प्रतियोगिता के पहले दिन हुए खेल के विजेता खिलाड़ियों को बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के पूर्व निदेशक संजय कुमार सिन्हा ने मेडल देकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव लियानत अली, कोषाध्यक्ष राजू सिंह, झारखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के महासचिव शिव कुमार पांडे, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के रमेश सिंह (मुख्य प्रशिक्षक जूनियर एथलेटिक्स) तथा

तमिलनाडु- स्वर्ण पदक, तनु- हरियाणा - रजत पदक तथा दीपिका- हरियाणा - कांस्य पदक विजेता रहीं। बालक अंडर 18 आयु वर्ग में पांच हजार मीटर रेस वाक स्पर्धा में नितिन



आयु वर्ग के तीन हजार मीटर रेस वाक स्पर्धा में हरियाणा की योगिता के स्वर्ण पदक, उत्तराखंड की सिमरन गुप्ता को रजत तथा मध्यप्रदेश की रंजन यादव को कांस्य पदक मिला। बालिका अंडर 18 आयु वर्ग के 400 मीटर दौड़ स्पर्धा में क्रमशः एडविना जेशन-

उत्तर प्रदेश ने कांस्य प्राप्त किया। बालिका अंडर 18 आयु वर्ग की गोला फेंक स्पर्धा में जीय बेदवान-पंजाब 14.04 मीटर के साथ स्वर्ण पदक, जैस्मिन कौर- पंजाब ने रजत पदक तथा राजस्थान की द्रोणा चौधरी ने कांस्य पदक जीता। बालक वर्ग के अंडर 18 आयु वर्ग में हेथाथलीन गोला फेंक स्पर्धा में केरल के अभिनव श्रीराम 12.96 मीटर में 665 अंक प्राप्त कर पहले स्थान पर रहे। गुजरात के जाखड़ राहुल 12.87 मीटर के साथ 659 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे। तेलंगाना के कार्तिक कड़ 12.75 मीटर के साथ 652 अंक के साथ तीसरे नम्बर पर रहे। बालक अंडर 18 आयु वर्ग में डिस्कस थ्रो इवेंट में क्रमशः नश्य - हरियाणा 62.14 मीटर के साथ स्वर्ण पदक, विशाल कुमार - राजस्थान 56.71 मीटर के साथ रजत पदक, अखिल कुमार - हरियाणा 54.63 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

उत्तर प्रदेश ने कांस्य प्राप्त किया। बालिका अंडर 18 आयु वर्ग की गोला फेंक स्पर्धा में जीय बेदवान-पंजाब 14.04 मीटर के साथ स्वर्ण पदक, जैस्मिन कौर- पंजाब ने रजत पदक तथा राजस्थान की द्रोणा चौधरी ने कांस्य पदक जीता। बालक वर्ग के अंडर 18 आयु वर्ग में हेथाथलीन गोला फेंक स्पर्धा में केरल के अभिनव श्रीराम 12.96 मीटर में 665 अंक प्राप्त कर पहले स्थान पर रहे। गुजरात के जाखड़ राहुल 12.87 मीटर के साथ 659 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे। तेलंगाना के कार्तिक कड़ 12.75 मीटर के साथ 652 अंक के साथ तीसरे नम्बर पर रहे। बालक अंडर 18 आयु वर्ग में डिस्कस थ्रो इवेंट में क्रमशः नश्य - हरियाणा 62.14 मीटर के साथ स्वर्ण पदक, विशाल कुमार - राजस्थान 56.71 मीटर के साथ रजत पदक, अखिल कुमार - हरियाणा 54.63 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

## बीसीसीआई ने की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम के अजेय प्रदर्शन की सराहना

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार जीत दर्ज करने पर भारतीय टीम को बधाई दी। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुकरणीय नेतृत्व और सामरिक कौशल ने टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कप्तान रोहित के प्रेरणा देने और मिसाल कायम करने वाले नेतृत्व क्षमता ने भारत के विजयी अभियान में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर की भूमिका की भी सराहना की करते हुए कहा कि

उनका निरंतर दृष्टिकोण और सामरिक अंतर्दृष्टि ने इस विजेता टीम को लक्ष्य हासिल करने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, सहयोगी कर्मियों और चयन समिति को इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई

दी। बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, पिछले साल टी-20 विश्वकप की सफलता के बाद यह

बेजोड़ निरंतरता और अपने चरित्र के साथ खेला है में कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और पूरी टीम को उनकी ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई देता हूँ। रोहित की टी-20 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी दोनों खिताब जीतने में उनकी नेतृत्व क्षमता और सबसे सफल कप्तानों में से एक के शुभारंभ किया है और उनके नेतृत्व में टीम को मजबूती मिली है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, आईसीसी खिताब जीतना हमेशा एक विशेष उपलब्धि होती है और इस टीम ने इसे प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया है। अनुभव और युवा ऊर्जा का सहज मिश्रण उल्लेखनीय रहा है और यह जीत भारतीय क्रिकेट की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगी।

## युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप: टॉप से हुई शुरुआत, हाई स्कोरिंग मुकाबलों में दिखा जबरदस्त रोमांच

हरिद्वार। हरिद्वार के वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में चल रही युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप का दिन जबरदस्त रोमांच से भरा रहा। जहां दिन के पहले मुकाबले में यूपी फाल्कन्स और वास्को वाइपर्स के बीच मुकाबला 36-36 की बराबरी पर समाप्त हुआ, वहीं जूनियर स्टील्स, युवा योद्धा और युवा मुंबा ने बड़ी जीत दर्ज कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। दिन की शुरुआत यूपी फाल्कन्स और वास्को वाइपर्स के बीच काटे की टक्कर से हुई, जिसमें कोई भी टीम जीत दर्ज नहीं कर पाई। यूपी फाल्कन्स के कुनाल भाटी ने 12 रेंड व्हाइट अर्जित किए, जबकि वास्को वाइपर्स के ससवीट्टयूट खिलाड़ी प्रिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 रेंड व्हाइट हासिल किए।

## खेल मंत्रालय ने हटाया डब्ल्यूएफआई का निलंबन, अब राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित कर सकेगा भारतीय कुश्ती महासंघ

एजेंसी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का निलंबन हटा दिया है। इस फैसले के बाद अब महासंघ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सकेगा और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए राष्ट्रीय टीमों का चयन कर पाएगा। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, स्पोर्ट्स वेरिफिकेशन कमेटी की रिपोर्ट, डब्ल्यूएफआई द्वारा उठाए गए सुधारक कदम और भारतीय खेलों तथा एथलीटों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर लगाए गए निलंबन को तत्काल प्रभाव से समाप्त करता है और इसे राष्ट्रीय खेल महासंघ (एएएसएफ) के

रूप में पुनः मान्यता प्रदान करता है। गौरतलब है कि खेल मंत्रालय ने 24 दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था। यह फैसला महासंघ द्वारा जल्दबाजी में अंडर-15 और



अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप की घोषणा करने के कारण लिया गया था। गोंडा में टूर्नामेंट की घोषणा से नाराज खेल मंत्रालय 21 दिसंबर 2023 को संजय सिंह के नेतृत्व वाले पैनाल ने डब्ल्यूएफआई के चुनाव में जीत

दर्ज की थी। इसके बाद महासंघ ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश के गोंडा में नॉटिफिकेशन को चुना था। यह पूर्व डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का गढ़ माना जाता है,

जिससे सरकार नाराज हो गई थी और निलंबन का निर्णय लिया गया था। अब निलंबन हटने के बाद डब्ल्यूएफआई फिर से अपनी गतिविधियां शुरू कर सकेगा और भारतीय कुश्ती को एक बार फिर रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

## आईपीएल 2025- लखनऊ सुपर जायंट्स को झटका, पहले हाफ में नहीं खेल पाएंगे मयंक यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल 2025 के पहले चरण से बाहर हो गए हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार, मयंक फिटलहल लम्बर स्ट्रेस इंजरी (गोट की चोट) से उबर रहे हैं और उन्होंने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ बीसीसीआई में गेंदबाजी अभ्यास किए से शुरू किया है। वह पिछले साल

अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद चोटिल हो गए थे और तब से रिहैब प्रक्रिया में हैं। बीसीसीआई ने अभी तक उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। हालांकि, अगर वह सभी फिटनेस मानकों को पूरा करते हैं और अपनी गेंदबाजी का चर्कलौड बढ़ा पाते हैं, तो वह आईपीएल के दूसरे चरण में खेल सकते हैं। मयंक की मैसोजूदगी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए बड़ा झटका

है, जिन्होंने उन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले 11 करोड़ रुपये में रिटन किया था। यह मयंक के लिए वित्तीय रूप से बड़ी खराब थी, क्योंकि आईपीएल 2024 में उन्हें महज 20 लाख रुपये में बतौर अर्नकेप्ट तेज गेंदबाज खरीदा गया था। मयंक की इतनी उंची कीमत का मुख्य कारण उनकी तेज गति से गेंदबाजी करने की क्षमता है। वह लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं, जिसकी

बदौलत उन्होंने अपने पहले दो आईपीएल मैचों में लगातार प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता था।



उनके इसी प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने उन्हें भारत के तेज गेंदबाजों के विशेष पूल में

शामिल किया था। मयंक का आईपीएल 2024 भी चोटों से प्रभावित रहा था, जहां वह केवल चार मैच ही खेल पाए थे। अंतिम दो मुकाबलों में साइड स्ट्रेन की समस्या के चलते उन्हें बाहर होना पड़ा था। रिहैब के दौरान उन्हें एक और नई चोट लगी है, जिससे उनकी वापसी में देरी हुई। हालांकि, उन्होंने आखिरकार बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में खेला, लेकिन वह भी फिर से चोटिल हो गए और दोबारा रिहैब के लिए

लौटना पड़ा। बीसीसीआई ने मयंक को मौजूदा चोट के बारे में आधिकारिक रूप से कुछ नहीं बताया है, लेकिन यह समझा जाता है कि उनके पीट के निचले हिस्से (बाई और) में स्ट्रेस इंजरी है। फरवरी में भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान, जो अब लखनऊ के टीम डायरेक्टर हैं, ने कहा था कि फ्रेंचाइजी बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ मिलकर मयंक को वापसी का रोडमैप तैयार कर रही है। हालांकि, जहीर ने यह भी स्पष्ट किया

था कि वे मयंक को 100 फीसदी नहीं बल्कि 150 फीसदी फिट देखकर ही मैदान पर वापसी कराना चाहेंगे। उन्होंने कहा था, हम मयंक को जितना जल्दी हो सके खेते हुए देखना चाहते हैं, लेकिन हम उन्हें तब ही खिताबों पर खेले देंगे। इस सीजन में दिल्ली की कप्तानी ग्रहण पंत करेंगे, जो खुद लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं।



फिल्ममेकर करण जौहर अपने मजाकिया अंदाज को लेकर भी चर्चा में रहते हैं. एक बार तो करण ने बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा का एक शो के दौरान जमकर मजाक उड़ा दिया था. करण जौहर ने अनुष्का को पहले अपनी बेटी कहने के बाद फिर उन्हें देश की बहू बता दिया था.

## जब करण जौहर

ने उड़ाया था

# अनुष्का शर्मा

का ऐसा मजाक, एक्ट्रेस को बता दिया था 'देश की बहू'

अक्सर धनश्री की पोस्ट पर आपत्तिजनक कमेंट किए जाते हैं. इस पर उर्फनी ने बताया कि कैसे दो लोगों के बीच रिश्ते में सिर्फ महिला को टारगेट किया जाता है वो भी उस समय जब सामने कोई पुरुष एथलीट हो. तो महिला को किसी विलेन की तरह समझा जाता है. उर्फनी ने इंटरव्यू में कहा, "मैंने उनके (धनश्री) लिए एक स्टोरी शेयर की थी. इसके बाद उन्होंने मुझे धन्यवाद कहा था. मेरा मानना था कि उनके साथ गलत हो रहा है. और वो बहुत मुश्किल समय से गुजर रही थीं.

उर्फनी ने पोस्ट में क्या लिखा था ?

उर्फनी जावेद पुरुष क्रिकेटर्स के तलाक या ब्रेकअप के दौरान लोगों द्वारा सिर्फ महिला को निशाना बनाए जाने से नाराज थीं. उन्होंने पोस्ट में लिखा था जब भी किसी क्रिकेटर का तलाक या ब्रेकअप होता है तो महिला को भला-बुरा कहा जाता है, हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविच के केस में भी ऐसा ही हुआ था, जबकि लोगों को पता भी नहीं होता है कि दो लोगों के बीच क्या चल रहा है ? यहाँ तक विराट कोहली के खराब प्रदर्शन के लिए अनुष्का शर्मा को दोषी बताया गया. क्यों हमेशा पुरुष के काम के लिए महिला को दोषी ठहरा दिया जाता है ?

करण जौहर फिल्मी हस्तियों की चुटकी लेने का भी कोई मौका नहीं छोड़ते हैं. एक बार तो उन्होंने एक शो के दौरान अनुष्का शर्मा का जमकर मजाक उड़ाया था. तब कटरीना कैफ भी मौजूद थीं. उन्होंने दोनों एक्ट्रेस से एक सवाल किया था इसके जवाब के बाद मंच पर ही करण ने अनुष्का का मजाक उड़ा दिया था.

करण ने अनुष्का को बताया 'देश की बहू'

बात है साल 2018 की जब कटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा अपनी फिल्म 'जोरी' के प्रमोशन के लिए 'इंडियाज गॉट टैलेंट' के आठवें सीजन में पहुंची थीं. तब गेम राउंड में करण ने सवाल किया था, 'बहूकी है निगाहें और बिखरे हैं बाल' किस गाने के बोल हैं ? अनुष्का ने गाना गाकर सुनाने लगती हैं, वहीं कटरीना इतने में जवाब देते हुए कहती हैं 'कोई मिल गया'. इसके बाद करण ने अगला सवाल पूछा लेकिन कटरीना के जवाब देने से पहले अनुष्का गाना गाकर बताने लगीं. तो कटरीना ने कहा मुझे मौका नहीं मिला. इस पर अनुष्का ने कहा, 'मैंने मारा मौके पर चीका'. इसके बाद करण ने हंसते हुए अनुष्का के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा था, 'बड़ी हो गई है मेरी बेटी. क्रिकेट के जोक्स क्रेक करने लगी हैं. आप तो देश की बहू हैं, हम कुछ कह भी नहीं सकते.'

2017 में अनुष्का ने विराट कोहली से रचाई शादी

दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली संग शादी के चलते करण ने अनुष्का को चुटकाया था. अनुष्का और विराट ने साल 2013 से एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था. इसके बाद कपल ने दिसंबर 2017 में इटली में धूमधाम से शादी रचा ली थी. शादी के बाद कपल ने बेटी वामिका फिर बेटे अकाय का वेलकम किया था

8 साल में 2 करोड़ रुपए का फायदा, तीन महीने में

# अक्षय कुमार

ने बेची दूसरी प्रॉपर्टी



अक्षय कुमार ने हाल ही में मुंबई के बोरीवली स्थित अपने लग्जरी अपार्टमेंट बेव दिया है. एक्टर ने इस अपार्टमेंट को साल 2017 में खरीदा था. इसे बेवने के 8 साल बाद उन्हें काफी फायदा हुआ है. अक्षय कुमार का ये अपार्टमेंट मुंबई के प्राइम लोकेशन पर स्थित है.

अक्षय कुमार अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में रहते हैं, हालांकि फिलहाल वो अपनी प्रॉपर्टी बेचे जाने को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. एक्टर ने हाल ही में अपने मुंबई में स्थित एक अपार्टमेंट बेच दिया है. एक्टर का ये लग्जरी अपार्टमेंट डबल मुनाफे के साथ बेचा है. ये अपार्टमेंट बोरीवली में मौजूद है. अक्षय ने इस अपार्टमेंट को 8 साल पहले खरीदा था, साथ ही उन्होंने उसी बिल्डिंग के एक और यूनिट को भी बेचा है, जो कि उन्होंने 2017 में ही खरीदा था.

अक्षय कुमार ने 8 साल पहले बोरीवली के स्काई सिटी में मौजूद एक लग्जरी अपार्टमेंट को लगभग 4.35 करोड़ रुपए में बेचा है. अपार्टमेंट के बारे में जाने, तो इसका एरिया 1,073 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है. इस अपार्टमेंट के साथ दो पार्किंग एरिया भी दिया गया है. बता दें कि एक्टर ने इस अपार्टमेंट को 2.37 करोड़ रुपए में खरीदा था. अक्षय कुमार को इस प्रॉपर्टी को बेचने से लगभग 84 फीसदी का फायदा हुआ है. जिस एरिया में ये अपार्टमेंट मौजूद है, वो काफी फेमस इलाकों में शामिल है.

कई एक्टरों ने ली है प्रॉपर्टी

इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन (द्विचक्र) की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक, एक्टर की इस अपार्टमेंट के लेन-देन में 6.1 लाख रुपए का स्टाम्प फीस और 30,000 रुपए रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर लगे हैं. ये अपार्टमेंट ओबेरॉय स्काई सिटी में स्थित है, जिसमें बॉलीवुड के और भी कई सारे सितारों ने प्रॉपर्टी लिया हुआ है. इन एक्टरों में अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन का नाम शामिल है, उन्होंने पिछले साल इस जगह पर अपनी प्रॉपर्टी खरीदी थी. ओबेरॉय स्काई सिटी में 3क्याब, 3क्याब+स्टूडियो और डुप्लेक्स अपार्टमेंट मौजूद हैं. इस साल में ये एक्टर की दूसरी प्रॉपर्टी है, जिसे उन्होंने बेचा है.

कई फिल्मों में आएंगे नजर

अक्षय कुमार के फिल्मी करियर की बात करें, तो हाल ही में वो अपनी फिल्म स्काई फोर्स में नजर आए थे. ये फिल्म लोगों को काफी पसंद आई थी. इस फिल्म के अलावा एक्टर और भी कई सारे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं. जल्द ही वो 'जॉली एलएलबी 3', 'कनप्पा' और 'हाउसफुल 5' के साथ 'हेरा फेरी 3' और 'वेलकम टू द जंगल' फिल्मों में नजर आने वाले हैं. हालांकि, फिलहाल वो 'हेरा फेरी 3' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं.



विकी कौशल की 'छावा' के 100 साल पहले ही संभाजी महाराज पर बन चुकी है फिल्म, इस एक्टर ने निभाया था रोल



विकी कौशल की 'छावा' लोगों के बीच रिलीज के पहले से ही काफी बज बनाए हुए थी. हालांकि, सिनेमाघरों में आने के बाद से भी लोगों को तरफ से इस फिल्म को काफी प्यार मिला है. विकी कौशल और रश्मिका मंदाना स्टार 'छावा' 14 फरवरी, 2025 को रिलीज हुई थी. इस फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज की कहानी दिखाई गई है. हालांकि, मैडॉक फिल्म के बेनर तले बनी फिल्म मुंज्या के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार ने इस फिल्म को लेकर खास खुलासा किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि संभाजी पर ये फिल्म 100 साल पहले बनाई जा चुकी है.

काफी कम लोगों को पता है कि साल 1925 में छत्रपति संभाजी महाराज पर एक साइलेंट फिल्म बनी थी, जिसका डायरेक्शन एनडी सरपोतदार ने किया था. इस बात का खुलासा डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार ने किया है. हालांकि, पहले उन्हें भी इस बात की जानकारी नहीं थी, लेकिन जब 'छावा' रिलीज हुई, तो उनके चचेरे भाई ने उन्हें बताया कि साल 1925 में भी एक फिल्म बनी थी. खास बात ये है कि आदित्य की 100 साल पुरानी फिल्म के साथ खास कनेक्शन है.

1925 में बनाई गई थी फिल्म

आदित्य ने बताया कि 1925 में बनी फिल्म को उनके परदादा ने ही डायरेक्ट किया था. उस फिल्म में पार्श्वनाथ यशवंत अल्लेकर ने संभाजी महाराज का किरदार निभाया था. ये फिल्म इतिहास की नजर से भी खास रहा है, क्योंकि पार्श्वनाथ यशवंत अल्लेकर ने पहली बार स्क्रीन पर किसी मराठा शासक के किरदार को निभाया था. पार्श्वनाथ को उनकी डायरेक्ट की गई फिल्मों के लिए भी जाना जाता है. आदित्य ने बताया कि उनकी पिछली चार पीढ़ियां फिल्मी दुनिया से जुड़ी हुई हैं. साइलेंट संभाजी महाराज की फिल्म 28 नवंबर, 1925 को मुंबई के गिरगांव में मैजिस्टिक सिनेमा में रिलीज हुई थी.

फिल्म की रील हो गई बर्बाद

हालांकि, फिल्म की रील या कोई भी निगेटिव अभी मौजूद नहीं है और न ही फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी है. क्योंकि फिल्म की रील और उसके निगेटिव को नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया में रखा गया था, जो 2003 में आग लगने की वजह से बर्बाद हो गई. आदित्य ने फिल्म 'छावा' के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे ये जानकर काफी खुशी है कि फिल्म इंटरनेट में आज भी वैसी कहानियां ली जाती हैं, जो कि 100 साल पहले लोग पसंद करते थे.

जॉन से डर गए अन्ना? रिलीज से 4 दिन पहले पोस्टपोन हुई सुनील शेट्टी की केसरी वीर, अब इस दिन होगी रिलीज



बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर सुनील शेट्टी ने अपने करियर में कई सारी फिल्मों में काम किया है. लेकिन शायद ही आपने सुनील को किसी पीरियड ड्रामा फिल्म में देखा हो. लेकिन अब वे एक बड़ी पीरियड ड्रामा फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं. वे अपनी अपकमिंग फिल्म केसरी वीर को लेकर चर्चा में हैं. एक्टर की इस फिल्म को लेकर अब चौंकाने वाला अपडेट आया है. रिलीज के 4 दिन पहले ही इस फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया है. मेकर्स ने हालांकि इसके पीछे की वजह नहीं बताई है लेकिन अब ये फिल्म मार्च में रिलीज नहीं हो रही है.

कब रिलीज होगी केसरी वीर ?

केसरी वीर फिल्म की बात करें तो सुनील शेट्टी और सूरज पंचोली की ये फिल्म पहले 14 मार्च 2025 को होली के मौके पर रिलीज होने के लिए तैयार थी. लेकिन होली के 4 दिन पहले ही इस फिल्म को रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया गया है. जरूर ही ये खबर सुनील और सूरज के फैंस के लिए शॉकिंग होगी जो इसकी रिलीज को लेकर एक्साइटड थे. मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए ये जानकारी साझा की.

मेकर्स ने लिखा- केसरी वीर को मिल रहे प्यार और सम्मान से हम अभिभूत हैं. फिल्म को दुनियाभर में और बड़े पैमाने पर रिलीज करने के लिए हम इस फिल्म की रिलीज को आगे के लिए शिफ्ट कर रहे हैं. अब केसरी वीर- लेजेंड ऑफ सोमनाथ फिल्म 16 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी. इसमें सूरज पंचोली लीड रोल प्ले कर रहे हैं. उनके अलावा इस फिल्म में सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और अकांशा शर्मा जैसे कलाकार भी हैं.

क्या जॉन से डर गए सुनील ?

14 मार्च 2025 को होली के मौके पर जॉन अब्राहम अपनी फिल्म द डिप्लोमेट लेकर आ रहे हैं. इस फिल्म को लेकर भी बज बना हुआ है. इसके अलावा 7 दिनों के लिए हॉलीवुड फिल्म ड्यूट 2 को भी रिलीज किए जाने की तैयारी है. ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जॉन अब्राहम संग क्लैश के चलते ही सुनील शेट्टी की फिल्म को रिलीज डेट को आगे के लिए शिफ्ट कर दिया गया है.